RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

द अचीवर टाइम्स

वर्ष : 9 अंक : 253
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, रविवार, 07 जनवरी, 2024

एक नज़र

देश में एक साथ त्रिस्तरीय चुनाव कराने की तैयारी

एजेंसी,नई दिल्ली। सूत्रों के अनुसार, कानून पैनल एक साथ चुनाव के मुद्दे पर विचार कर सकता है। साल 2018 में पिछली विधि आयोग ने लोकसभा और विधानसभा के चुनाव को एक साथ कराने के विचार का समर्थन किया था। देश में एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर विचार कर रहा विधि आयोग एक ही साल में दो चरणों में त्रिस्तरीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अंजाम देने की संभावना पर गौर कर सकता है। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराए जाएंगे और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, कानून पैनल एक साथ चुनाव के मुद्दे पर विचार कर सकता है। साल 2018 में पिछली विधि आयोग ने लोकसभा और विधानसभा के चुनाव को एक साथ कराने के विचार का समर्थन किया था। पिछली विधि आयोग ने कहा कि यह देश में लगातार चुनाव होने वाले चुनावों से बचाएगा। हालांकि, इस मुद्दे को लेकर उन्होंने सार्वजनिक तौर पर चर्चा की मांग की थी। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रितु राज अवस्थी के नेतृत्व वाली वर्तमान विधि आयोग ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव को एक साथ कराने की रिपोर्ट तैयार कर रही है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में एक राष्ट्र एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति कोयह जिम्मेदारी सौंपा गया है कि लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कैसे आयोजित कराए जा सकते हैं।

महिलाओं के समूह ने पुरुषों के किरदार का एकाधिकार तोड़ा

अयोध्या। अभी तक आपने जब भी कभी रामलीला देखी होगी तो उसमें आमतौर पर पुरुष किरदार का अभिनय पुरुष कलाकार ही करते हैं। महिला किरदार में ही मातृशक्ति को मौका मिलता है। इन दिनों अयोध्या में अनोखी रामलीला का मंचन देखने को मिल रहा है। इसमें पुरुष और महिला दोनों किरदारों को महिला कलाकार ही बखूबी निभा रही हैं।

चंद्रयान-3 के बाद भारत ने रचा एक और इतिहास

मंजिल लैग्रेंज प्वाइंट-1 पर पहुंचा आदित्य एल-1

एजेंसी

नई दिल्ली। चांद पर उतरने के बाद भारत ने एक और इतिहास रच दिया है। सूर्य मिशन पर निकले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आदित्य एल-1 ने अपनी मंजिल लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) पर पहुंच कर एक कीर्तिमान हासिल किया है। इसी के साथ आदित्य-एल 1 अंतिम कक्षा में भी स्थापित हो गया। यहां आदित्य दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा और महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाएगा। भारत के इस पहले सूर्य अध्ययन अभियान को इसरो ने 2 सितंबर को लॉन्च किया था।

इसरो की इस सफलता पर पीएम मोदी ने भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर इसरो की सराहना करते हुए लिखा कि %भारत ने एक और मील का पत्थर हासिल किया। भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य-एल 1 अपने गंतव्य तक पहुंच गई। सबसे जटिल अंतरिक्ष मिशनों में से एक को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। यह असाधारण उपलब्धि सराहना योग्य है। हम मानवता के लाभ के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह इस असाधारण उपलब्धि की सराहना करने में देश के साथ शामिल हैं।

आदित्य पर सात वैज्ञानिक पेलोड तैनात किए गए हैं। इनमें विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (वीईएलसी), सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (सूइट), सोलर लो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (सोलेक्सस), हाई-एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (हेल1ओएस) शामिल हैं, जो सीधे तौर पर सूर्य को ट्रैक करें। वहीं, तीन इन-सीटू (मौके पर) मापने वाले उपकरण हैं, जिनमें आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स), प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए), और एडवांस थ्री डाइमेंशनल हाई रिजोल्यूशन डिजिटल मैग्नेटोमीटर (एटीएचआरडीएम) शामिल हैं।

क्या है एल-1 प्वाइंट

एल-1 प्वाइंट के आसपास के क्षेत्र को हेलो ऑर्बिट के रूप में जाना जाता है, जो सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के बीच मौजूद पांच स्थानों में से एक है, जहां दोनों पिंडों का गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के बीच साम्यता है। मोटे तौर पर ये वे स्थान हैं, जहां दोनों पिंडों की गुरुत्व शक्ति एक दूसरे के प्रति संतुलन बनाती है। पृथ्वी और सूर्य के बीच इन पांच स्थानों पर स्थिरता मिलती है, जिससे यहां मौजूद वस्तु सूर्य या पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में नहीं फंसती है। एल-1 बिंदु पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की कुल दूरी का केवल 1 फीसदी है। दोनों पिंडों की कुल दूरी 14.96 करोड़ किलोमीटर है।

उत्सकुता से देख रही दुनिया

नई दिल्ली। इसरो के इस अभियान को पूरी दुनिया में उत्सुकता से देखा जा रहा है, क्योंकि इसके सात पेलोड सौर घटनाओं का व्यापक अध्ययन करेंगे और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को डाटा मुहैया कराएंगे, जिससे सभी सूर्य के विकिरण, कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन कर पाएंगे। अंतरिक्ष यान में एक कोरोनोग्राफ है, जो वैज्ञानिकों को सूर्य की सतह के बहुत करीब देखने और नासा व यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के सौर और हेलिओस्फेरिक वेधशाला (एसओएचओ) मिशन के डाटा को पूरक डाटा मुहैया कराएगा। क्योंकि, आदित्य एल-1 अपनी स्थिति में स्थित एकमात्र वेधशाला है।

18 सितंबर से शुरू कर दिया काम

नई दिल्ली। शुक्रवार को आदित्य एल-1 को अंतरिक्ष में सफर करते हुए 126 दिन पूरे हो गए। अपनी यात्रा शुरू करने के 16 दिन बाद यानी 18 सितंबर से आदित्य ने वैज्ञानिक डाटा एकत्र करना और सूर्य की इमेजिंग शुरू कर दी थी। वैज्ञानिकों को अब तक एल-1 से सौर ज्वालाओं के हाई-एनर्जी एक्स-रे, फुल सोलर डिस्क इमेज मिल चुके हैं। पीएपीए और एएसपीईएक्स के सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर सहित चार उपकरण फिलहाल सक्रिय हैं और अच्छी तरह से काम कर रहे हैं। हेलो आर्बिट में पहुंचने के बाद सूईट पेलोड सबसे पहले सक्रिय होगा।

सैकड़ों कारसेवकों को बचाने वाले अविनाश, अब बूढ़े मां-बाप को प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण का इंतजार

अजमेर। अयोध्या में 31 साल पहले राम मंदिर को लेकर छह दिसंबर 1992 को देश भर से कारसेवक जुटे थे। राजस्थान के अजमेर से भी 28 लोगों का दल गया था। शाम की गाड़ी से सभी को वापस लौटना था। इस दल में 19 साल का अविनाश भी था, वह अयोध्या पहुंचकर घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाने के काम में जुट गया था। आंखों में बेटे को खोने का गम तो दिल में राम मंदिर बनने की खुशी, अजमेर के रामभक्त अविनाश माहेश्वरी की कहानी कुछ ऐसी है। जिन्होंने बम को दूर फेंककर सैकड़ों कारसेवकों की जिंदगी बचाई थी। अब राम मंदिर समारोह के निमंत्रण का अविनाश के माता-पिता इंतजार कर रहे हैं। 31 साल पहले जिस ढांचे को कारसेवकों ने गिराया था, आज उसी स्थान पर राम मंदिर का निर्माण होने पर पूरे देश में खुशी का माहौल है।

टेक ऑफ के बाद विमान की खिड़की उड़ी, सामने दिखने लगी मौत

अलास्का के विमान में सवार यात्री ने बताया अनुभव

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओरेगॉन में अलास्का एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में सवार यात्री ने कहा कि जैसे ही टेकऑफ के बाद फ्लाइट की खिड़की उड़ गई तो उसे मौत सामने खड़ी होने का एहसास होने लगा।

अमेरिका में अलास्का एयरलाइंस में सवार 177 यात्रियों की जान बाल-बाल बची। विमान का विंडो पैनल फ्लाइट टेकऑफ होने के बाद अचानक उड़ गया। यात्रियों से मिली शिकायत के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बड़ा हादसा टलने के बारे में विमान में सवार यात्री ने बताया कि उसे खिड़की उड़ने पर ऐसा एहसास हुआ कि उसकी मौत होने वाली है। इस मामले में फेडरल एविएशन प्रशासन (स्न) ने भी बयान जारी किया। इसके मुताबिक अलास्का एयरलाइंस के विमान संख्या-1282 की परेशानी दूर होने के बाद पोर्टलैंड एयरपोर्ट से शाम लगभग पांच बजे फ्लाइट को दोबारा रवाना किया गया। इमरजेंसी लैंडिंग के बारे में विमान में सवार यात्री ने बताया कि उसे खिड़की उड़ने पर ऐसा एहसास हुआ कि उसकी मौत होने वाली है। यात्री से मिली शिकायत के बाद चालक दल ने विमान के केबिन में दबाव की सूचना दी। ओरेगन में पोर्टलैंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट को सुरक्षित लैंड कराया गया। अलास्का एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 1282 से जुड़ी खबरों में कहा गया है कि खिड़की उड़ने के बाद आपातकालीन ऑक्सीजन मास्क सीटों के ऊपर लटके देखे जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही तस्वीरों में देखा जा सकता है कि विमान की खिड़की का पैनल गायब है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इस फ्लाइट से यात्रा कर रहे यात्री काइल रिंकर ने बताया कि जब विंडो पैनल अचानक उड़ा उस समय विमान धरती से काफी ऊंचाई पर था। सीटों के ऊपर लगे ऑक्सीजन मास्क खुद-ब-खुद नीचे आ गए, तब इसका पता लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक विमान संख्या 1282 में सवाल महिला यात्री वी गुयेन ने कहा, उड़ान के दौरान अचानक हुई तेज आवाज के कारण उनकी नींद खुल गई। उन्हें अपनी आंखों के आगे ऑक्सीजन मास्क दिखा। बाई तरफ देखने पर उन्हें विंडो पैनल गायब दिखा। उन्होंने कहा, ऐसे हालात में उन्हें मौत सामने दिखने लगी। ऐसा लगा जैसे वह मरने वाली हैं। हादसे के बाद अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड, स्न और अलास्का एयरलाइंस ने कहा कि हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। अलास्का की तरफ से जारी बयान के मुताबिक 171 यात्रियों और चालक दल के 6 सदस्यों के साथ पोर्टलैंड एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। कंपनी के मुताबिक ऐस घटना दुर्लभ है। चालक दल को आपात स्थिति से निपटने का पूरा प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने हालात को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया। इस मामले में समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट- फ्लाइट अवेयर के मुताहिक बोइंग 737 मैक्स 9 विमान शाम 5.07 बजे कैलिफोर्निया के ओंटारियो के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, केवल 20 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट वापस एयरपोर्ट पर लौट आया। अक्तूबर में उड़ान भरने के लिए फिट घोषित किए गए इस विमान के बारे में बोइंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पकर लिखा कि ओरेगन में हुई घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। तकनीकी टीम जांच में पूरी मदद करेगी।

रामलला को भेंट करने के लिए सीताजी के मायके से आई सामग्री

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा पर रामलला के लिए सीताजी के मायके से खास भेंट भेजी गई है। कार्यक्रम सर्दी में हो रहा है ऐसे में उनके लिए कोट और ब्लेजर भी भेजा गया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर देश के अलग-अलग राज्यों से उनके लिए कुछ न कुछ भेजा जा रहा है ऐसे में प्रभु श्रीराम की ससुराल से कुछ न आए ऐसा कैसे हो सकता है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए सीताजी के मायके जनकपुर नेपाल से भेंट भेजी गई है। सर्दी में कार्यक्रम होने की वजह से गर्म कपड़े के तौर पर रामलला को कोट और ब्लेजर भी भेजा गया है। सीताजी के मायके से रामलला के लिए कपड़े, चांदी की थाल, सुहाग की निशानी और आभूषण सहित कई अन्य चीजें भेजी की गई हैं। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर में उत्साह का माहौल है तो राम नगरी में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्ति श्यामल होगी। स्थापना के लिए तीन मूर्तिकारों ने अलग-अलग मूर्तियां बनाई हैं। उनमें से एक मूर्ति को स्वीकार कर लिया गया है।

श्रद्धालुओं को अयोध्या पहुंचाने के लिए रेलवे ने की खास तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। सूत्रों के मुताबिक, मांग बढ़ने पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। पर्यटकों की अनुमानित बढ़ोतरी को देखते हुए अयोध्या स्टेशन को रिनोवेट किया जा सकता है। नए स्टेशन पर प्रतिदिन 50 हजार लोगों को संभालने की क्षमता होगी। ये 15 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुविधाजनक सफर कराने के लिए भारतीय रेलवे ने खास तैयारी की है। रेलवे अयोध्या के लिए कई नई ट्रेनें शुरू करने जा रहा है। इसमें एसी से लेकर स्लीपर और जनरल सभी श्रेणी की ट्रेनें शामिल होंगी। आने वाले कुछ दिनों में रेलवे अयोध्या की ओर जाने वाली नई ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर सकता है। मौजूदा समय अयोध्या के लिए 35 ट्रेनों का संचालन हो रहा है। इसमें रोजाना चलने वाली ट्रेनों के अलावा साप्ताहिक ट्रेनें भी शामिल हैं। लेकिन 22 जनवरी के बाद से मौजूदा ट्रेनों के अलावा 37 अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इस तरह देशभर के 430 शहरों से कुल 72 ट्रेनों का संचालन होगा। रेलवे से जुड़े सूत्रों का कहना है कि राम मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए अयोध्या के लिए अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। रेलवे की कोशिश है कि अधिक से अधिक शहरों को अयोध्या से सीधा जोड़ा जाए। इन ट्रेनों के माध्यम से राम नगरी अयोध्या को देश के बड़े शहरों से जोड़ने की तैयारी है। इससे भक्तों के लिए सफर आसान हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, मांग बढ़ने पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। पर्यटकों की अनुमानित बढ़ोतरी को देखते हुए अयोध्या स्टेशन को रिनोवेट किया जा सकता है। नए स्टेशन पर प्रतिदिन 50 हजार लोगों को संभालने की क्षमता होगी। ये 15 जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। रेलवे अभी राज्यों की मदद से ट्रेनों की संख्या और टाइम टेबल पर काम कर रहा है।

40 हजार किमी भी नहीं चल पा रहे बीएस-6 वाहन

साढ़े सात करोड़ की बसें तीन महीने में खराब

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद जोन में बीएस-6 की 112 बसों को संचालित किया जाता है। एक वाहन की कीमत करीब 40 लाख रुपये है। इनमें से 20 बसें जवाब देने लगी हैं। चालकों के मुताबिक बसें 30 से 40 हजार किलोमीटर चलने के बाद ही दम तोड़ रही हैं।

आधुनिक सुविधाओं से लैस परिवहन निगम की बीएस-6 बसें तीन महीने में हाफ गई। साढ़े सात करोड़ की लागत से मुरादाबाद परिक्षेत्र में आई बीएस-6 की बीस बसें तो 30 से 40 हजार किमी भी नहीं चल पाई और खराब हो गई। बीच रास्ते में खराब होने वाली ये बसें वर्कशॉप में खड़ी हैं। इससे यात्रियों को परेशानी का सामाना करना पड़ रहा है। एक साल के भीतर मुरादाबाद जोन के सात डिपो में हाईटेक सुविधा से युक्त बीएस-6 की 112 बसों को शामिल किया गया है। एक बस की कीमत करीब 35 से 40 लाख रुपये है। मुरादाबाद जोन की लगभग 20 बसें अब जवाब देने लगी हैं। बसें 30 से 40 हजार किलोमीटर चलने के बाद ही खराब हो गई। ये बसें तीन से चार महीने भी ठीक से नहीं चल पाई। इसमें बिजनौर डिपो की छह, मुरादाबाद और रामपुर डिपो की तीन-तीन, नजीबाबाद की दो, पीतल नगरी और अमरोहा डिपो की एक-एक, दो अन्य डिपो की बसें शामिल हैं। इंजन में खराबी और अधिक मात्रा में यूरिया खाने जैसी आदि समस्या होने से बसों को खड़ा करना पड़ रहा है। जिस वजह से बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है। मुरादाबाद जोन से बीएस-6 बसों का संचालन दिल्ली रूट पर किया जाता है। चालकों और परिचालकों ने बताया कि बीच रास्ते में बसों के खराब होने पर उन्हें पास के वर्कशॉप में ले जाते हैं। कोशिश की जाती है कि तत्काल बसों को दुरुस्त करा दिया जाए। लेकिन जब बसें ठीक नहीं होती हैं तो उन्हें सर्विस सेंटर भेजा जाता है। इसके बाद बसों को ठीक कराने में कई दिन लग जाते हैं।

यूरिया एक तरल पदार्थ होता है। जो डीजल इंजन के निकास में हानिकारक गैसों को खत्म करने के लिए बसों में प्रयोग किया जाता है। नाइट्रोजन ऑक्साइड के हानिकारक उत्सर्जन को कम करने के लिए डीजल वाले वाहनों में लगे सलेक्टिव कैटेलिटिक रिएक्शन सिस्टम में यूरिया का उपयोग होता है। इससे बसें धुआं नहीं देती हैं।

बीएस-6 की जिन बसों में छोटी खराबी होती है। उसे यहीं वर्कशॉप में दूर कर दिया जाता है। अगर यहां पर भी बसें ठीक नहीं हो पाती तो उन्हें सर्विस सेंटर पर भेजा जाता है। - सुरेंद्र कुमार, कार्यवाहक क्षेत्रीय प्रबंधक, मुरादाबाद जोन

इंजन सीज होने का रहता है खतरा

बीएस-6 बसों में डीजल के साथ यूरिया नामक तरल पदार्थ डाला जाता है। यदि इन बसों में यूरिया न डाला जाए तो यह एक कदम भी नहीं चल सकती हैं। इसके बाद भी यदि इन बसों को गलती से चला दिया जाए तो बस का इंजन सीज होने का खतरा बना रहता है।

वाराणसी की गंगा आरती की तरह भव्य होगी अयोध्या की सरयू आरती

आठ जनवरी से शुरू होगी रामकथा

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या में आठ जनवरी को 24 मार्च तक रामकथा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी लगातार आयोजित किए जाएंगे।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश प्रदेश में माहौल राममय हो गया है। वहीं, 8 जनवरी से अयोध्या में रामकथा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शनिवार को प्रमुख कथा वाचक व कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश मेश्राम ने दी। उन्होंने बताया कि वाराणसी की गंगा आरती की तरह सरयू आरती को और भव्य बनाया जाएगा। इसके लिए संबंधित लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत 14 जनवरी से होली तक विभिन्न आयोजन होंगे। गांव, ब्लॉक, तहसील स्तर पर आध्यात्मिक स्थल व मंदिरों को सजाकर सांस्कृतिक आयोजन, रामायण पाठ, रामलीला, भजन, कीर्तन और कलश यात्रा निकाली जाएगी। 22 जनवरी को पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक स्थल और मंदिरों आदि में जनसहभागिता से दीपोत्सव व घर-घर में राम ज्योति जलाने की अपील की गई है। अयोध्या में आठ जनवरी से प्रमुख कथा वाचक की कथाएं 24 मार्च तक चलती रहेंगी। 14 जनवरी से 24 मार्च तक सुबह छह बजे से राम की पैड़ी पर शास्त्रीय, उपशास्त्रीय गायन-वादन होगा। शाम को रामायण बैले, नृत्य नाटिका, भक्ति संगीत और लोकनृत्य आदि का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रामोत्सव के तहत अयोध्या में बाल कवि व महिला कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान किस्सागोई की संगीत मय प्रस्तुति भी होगी। इसके अलावा, राम की पैड़ी पर सामूहिक शंखवादन का रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

24 से 26 जनवरी तक मनाया जाएगा यूपी दिवस समारोह

प्रमुख सचिव ने बताया कि 24 से 26 जनवरी तक यूपी दिवस, शिल्पग्राम लखनऊ में मनाया जाएगा। इसके तहत इन तीन दिनों में सभी जिलों में कार्यक्रम का आयोजन होगा। वहीं, लखनऊ में 24 जनवरी से 4 फरवरी तक शिल्प मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सभी 75 जिलों के फूड कोर्ट मौजूद होंगे। ब्रज, बुंदेलखंड, पूर्वांचल, अवध, पश्चिमांचल की अलग-अलग गैलरी, शिल्प, परिधान और व्यंजन होंगे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा और परिधान प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजन में सभी क्षेत्रों के लोककलाकार और लोकगायक शामिल होंगे। प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यूपी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शनी में दिखाया जाएगा। नई तकनीकी व एआई का भी प्रदर्शन होगा।

ट्रैक्टर ट्राली से टकराने के बाद बाइक सवार की हुई मौत

विनोद वर्मा

लखीमपुर खीरी,फरधान। थाना क्षेत्र में मोहम्मदपुर रसूलपुर नहरिया के पास सामने से आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में बाइक सवार की मौत हो गई। मोहम्मदपुर निवासी राधेश्याम गुप्ता अपनी आज को सुबह बाइक से ससुराल बीबीपुर जा रहा था। रास्ते में ही मोहम्मदपुर के पास रसूलपुर नहर रोड पर विपरीत दिशा से आ रहा ट्रैक्टर ट्राली आ रही थी। तेज गति होने की वजह से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बाइक सवार को टक्कर मार दी।दुर्घटना में राधेश्याम गुप्ता 48 वर्ष को गंभीर चोटे आई थी। सूचना पाकर मौके पर परिजन और पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने एंबुलेंस से उपचार हेतु जिला अस्पताल ओयल भिजवाया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसओ ने बताया मृतक के पंचायत नामा की कार्यवाही थाना खीरी द्वारा की गई है। शव मोर्चरी में रखवाया गया है। ट्रैक्टर चालक पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

हत्या कर फरार चल दो हत्यारोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर भेजा जेल

एस ,के ,सिंह

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर पुलिस हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे दो इनामियाँ अभियुक्तों को किया गिरफ्तार। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से आलाकत्ल अवैध तमंचा और कारतूस हुआ बरामद। वांछित 02 नफर शातिर 25-25 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्तों को आलाकत्ल अवैध तमंचा-कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा ने जानकारी देते हुए बताया।

दिनांक 02.01.2024 को थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहल्ला प्रकाशनगर में निर्माणाधीन टंकी की बाउंड्री के पास गली के पास गए। अभियुक्तगण मोटर साइकिल रोककर तथा बाउंड्री वॉल पर शराब की बोतल रखकर शराब पीने लगे। इस बात को लेकर टंकी पर मौजूद बलराम ने मना किया। शराब पीने से मना करने की बात लेकर कहासुनी होने लगी। तीनो बाइक सवारों ने बलराम की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक बलराम पुत्र रंजीत नि0 सिरटा थाना सदर जिला कैथल राज्य हरियाणा की हत्या कर सभी मौके से फरार हो गए। जिसके संबंध में थाना कोतवाली सदर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। उसके बाद आरोपियों की तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार दोनो अभियुक्तों पर पच्चीस पच्चीस हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था। दिनांक 06.01.2024 को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर द्वारा मय पुलिस फोर्स के थाना कोतवाली सदर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 05/2024 धारा 302 भादवि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट की घटना में वांछित दो नफर शातिर 25-25 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्तों 1. कुलदीप बाजपेई पुत्र राकेश बाजपेई व 2.विकास दीक्षित उर्फ विक्कू पुत्र रमाशंकर दीक्षित को लालपुर बैरियर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त कुलदीप बाजपेई के कब्जे से आलाकत्ल 01 अदद अवैध तमंचा, 01 अदद जिन्दा कारतूस व 01 अदद खोखा कारतूस बरामद किया। अभियुक्त विकास दीक्षित उर्फ विक्कू के कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा मय जिन्दा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्पलेण्डर मोटरसाइकिल रजि0 नं0-क्क31 क्रं 4566 को भी बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण :-

1.कुलदीप बाजपेई पुत्र राकेश बाजपेई नि0 मो0 प्रकाशनगर थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी उम्र करीब 28 वर्ष

2.विकास दीक्षित उर्फ विक्कू पुत्र रमाशंकर दीक्षित नि0 मो0 अर्जुनपुरवा थाना कोतवाली सदर जनपद खीरी उम्र करीब 27 वर्ष

बरामदगी का विवरण

अभियुक्त कुलदीप बाजपेई से एक अदद देशी तमंचा 315 बोर आलाकत्ल मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर व अभियुक्त एक अदद देशी तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल स्पेलेन्डर प्लस रजि0 नं0-UP31 क्रं 4566

समाधान दिवस में एसपी और डीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

करुणा सागर तहसील संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिलाधिकारी खीरी एवं पुलिस अधीक्षक खीरी की अध्यक्षता में ÷संपूर्ण समाधान दिवस÷ का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनते हुए अधीनस्थों को मौके पर जाकर जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आज दिनांक 06.01.2024 को माह के प्रथम शनिवार को जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर ÷संपूर्ण समाधान दिवस÷ का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी खीरी महेन्द्र बहादुर सिंह व पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा द्वारा तहसील सदर पर उपस्थित रहकर ÷संपूर्ण समाधान दिवस÷ की अध्यक्षता की गई। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध रूप से निस्तारण करने तथा जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है उन पर रिपोर्ट लगाकर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने-अपने सर्किल की तहसीलों में उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण कराया गया।

एक नज़र

सर्राफ की दुकान से कारीगर ने की चोरी घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार की रिपोर्ट

हापुड़। के थाना हापुड़ नगर क्षेत्रांतर्गत शनिवार को एक सर्राफा व्यापारी की दुकान में उनके कारीगर द्वारा चोरी करने की घटना की सूचना प्राप्त हुई थी तो वहीं स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सर्राफा व्यापारी के यहां लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर थाना हापुड़ नगर में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है इस संबंध में क्षेत्राधिकारी हापुड नगर स्तुति सिंह ने बताया कि आज शनिवार को नगर के एक सर्राफा की दुकान में उसके कारीगर नदीम द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। जो सर्राफा व्यापारी के यहां लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद होगी है और नदीम के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई अमल में लाई गई है। जानकारी के अनुसार सर्राफा बाजार में सत्येंद्र प्रधान की सर्राफा की दुकान का सोने की चोरी का मामला बताया गया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 49 शिकायतों में से सिर्फ 6 शिकायतों का निस्तारण करके पीड़ित लोगों को दी राहत

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने तहसील गढ़ में जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय करने के निर्देश दिए। आपको बता दे शनिवार को गढ़ तहसील सभागर में जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने उप जिलाधिकारी गढ़ एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ तहसील समाधान दिवस में जनसमस्याओं की सुनवाई करके निस्तारण की कार्यवाही को अंजाम दिया। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को प्राप्त होने वाली शिकायतों का मौके पर जाकर मुआयना करने के पश्चात गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने तथा क्षेत्रीय जनसमस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने हेतु अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये। समाधान दिवस में प्राप्त 49 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 06 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत दी गई। समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने आई0 जी0 आर0 एस0, तहसील दिवस तथा अन्य किसी माध्यम प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण ससमय एवं गुणवत्तपूर्ण ढंग से करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाधान दिवस के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं ससमय करने के निर्देश दिए, अन्यथा की दशा में विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं के निस्तारण में कोताही न बरतने के लिये अधिकारियों को आगाह किया और कहा कि लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने शासन की अपेक्षा के अनुसार जिले में जनसमस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिये संवेदनशील रवैया अपनाकर पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाने के लिये अधिकारियों से स्पष्ट अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने प्राप्त सभी प्रार्थनापत्रों को अधिकारियों को संदर्भित कर गुणवत्ता सहित ससमय निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने हेतु कड़े निर्देश दिये। इस अवसर पर सी0ओ0, जिला कृषि अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, तहसीलदार गढ़, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

करबला पर अवैध कब्जे को लेकर मुहर्रम कमेटी ने की विधायक से वार्ता

द अचीवर टाइम्स अमित बाजपेई संवाददाता

लखीमपुर खीरी,मोहम्मदी खीरी। आस्था से जुड़े कर्बला के मामले में पूरा गांव के लगभग सैकडों लोग एकत्रित होकर राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक लोकेंद्र प्रताप के आवास पर करबला पर हो रहे कब्जे को लेकर पहुचे और अपनी बात रखी,विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि धार्मिक स्थलों ब करबला पर कब्जा किसी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा, बैठकर सम्मानजनक हल निकाला जाएगा, मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी ने विधायक लोकेंद्र सिंह से दोनों पक्षों से वार्ता के बाद जो फैसला किया जाएगा, सभी ग्रामवासी व ताजिया दार मानेंगे इसका सभी गांव वासियों ने स्वागत किया,कल विधायक ने दोनों पक्षों को अपने आवास पर आमंत्रित किया है, इस मौके डाक्टर रफायत खा,कललू खा सहित सैकडो ताजियादार मौजूद रहे,सभी ने विधायक का धन्यवाद दिया।

ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत रोजगार मेले का आयोजन किया

द अचीवर टाइम्स/प्रभात तिवारी

मलिहाबाद । जनपद लखनऊ में जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में दीन दयाल उपाध्याय- ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत विकासखंड मलिहाबाद में रोजगार मेले का आयोजन किया गया । जिसमे 320 प्रतिभागियों ने भाग लिया उसमे से 70 बच्चो को रोजगार हेतु अवसर प्रदान किया गया। आज के रोजगार मेला में मुख्य अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह (अंजू) तथा एडीओ मलिहाबाद उपस्थित रहे एव प्रशिक्षण प्रदाता पृथ्वी फाउंडेशन, विश्वामित्र शिक्षण संस्थान,मेधावी फाउंडेशन, बीबीएसएम द्वारा बढ़कर प्रतिभाग किया गया।

तिलहर पुलिस ने 25,000 हजार रुपये ईनामी कासिम को गिरफ्तार किया

शाहजहांपुर। तिलहर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के 25,000 रुपये ईनामी अभियुक्त कासिम करीब 08.50 बजे बिजली घर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त कासिम यामीन निवासी ग्राम बकैनिया थाना हाफिजगंज जनपद बरेली के विरुद्ध थाना तिलहर में गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त कासिम शातिर किस्म का अपराधी है। जिनके विरुद्ध लूट व गैंगस्टर के अनेको अभियोग अलग-अलग जनपदो व थानो में पंजीकृत है। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने 25,000 रुपये का पुरस्कार घोषित किया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ.नि. अनुज कुमार, का. अवनीश बरार, बोबी कुमार टीम में मौजूद रही।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में रोते हुए बुजुर्ग ने अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

द अचीवर टाइम्स

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र के गांव धनोरा का रहना वाले एक बुजुर्ग की जमीन पर दबंग कब्जा करना चाहते हैं दबंग से परेशान होते हुए जिला प्रशासन अधिकारियों से न्याय की उम्मीद करते हुए बुजुर्ग व्यक्ति शनिवार को हापुड़ नगर पालिका मे लगे समाधान दिवस जा पहुंचा और उप जिला अधिकारी सुनीता सिंह व हापुड़ सदर क्षेत्र अधिकारी स्तुति सिंह की उपस्थिति व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों मौजूदगी समाधान दिवस मे ग्राम धनोरा के रहने वाले बुजुर्ग ने रोते हुए आपनी पीड़ा बताते हुए अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार,गुहार लगाते हुए कपकपाते ठंड के कारण बुजुर्ग की अचानक से बिगड़ी तबियत,रोते बिलखते हुए बुजुर्ग व्यक्ति की वीडियो सोशल मीडिया पर हो रही है वायरल, देखना अब है कि न्याय की गुहार लगा बैठे बुजुर्ग व्यक्ति को जिला प्रशासन अधिकारी न्याय दिला पाएंगे या नहीं।

11 वर्षीय बालक का शव गड्डे पर दफन

सूचना मिलते ही कटनी पुलिस अधीक्षक तत्काल मौके पर पहुंचे

❖ **मासूम बालक को मौत के घाट उतारने वाला शख्स आखिर कौन, पुलिस अधीक्षक की पुलिस टीम की खोज हुई ताबड़तोड़।**

द, अचीवर टाइम्स/ पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश, कटनी। कटनी के थाना माधवनगर के ग्राम भानपुरा में दो दिन पहले यादव परिवार के 11 वर्षीय बालक घर से खेलने के लिए निकला था फिर वह दोबारा लौटकर घर नहीं पहुंचा, अधिक देर हो जाने के बाद परिवार वालों ने बालक की जानकारी घर से निकल कर लगाई तो कहीं भी बच्चे की जानकारी नहीं मिली, जिसके चलते परिवार के लोग बेहद परेशान हो गए और बच्चे का पता लगते ही रहे, आखिरकार जब बच्चा नहीं मिला तो माधव नगर पुलिस थाना पहुंचकर पुलिस को जानकारी देते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई पुलिस और परिवार की खोज दो दिन तक चलती रही, आज जब बच्चे को लेकर कुछ सुराग मिले तो पुलिस को जानकारी दी गई, जैसे ही पुलिस को यह जानकारी मिली कि गांव के ही समीप सिमरार नदी के किनारे एक गड्डे पर बच्चे का शव दिख रहा है, यह जानकारी पुलिस मिलते ही थाना प्रभारी ने कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन को दी और दलबल के साथ थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गए ,जरा भी देर ना लगाते हुए कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन एवं नगर पुलिस अधीक्षक ख्याति मिश्रा भी तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्चे के शव को गड्डे से बाहर निकलवाया साथ ही जबलपुर से एफ एस एल की टीम एवं डॉग स्कॉट को बुलाकर मृतक बच्चे का शव परीक्षण करवाते हुए अज्ञात व्यक्ति के ऊपर हत्या का मामला दर्ज करवाया है साथ ही आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के थाना प्रभारी एवं पुलिस को निर्देश दिए हैं

अयोध्या में राममंदिर परिसर में 22 जनवरी को उतरेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हेलीकाप्टर

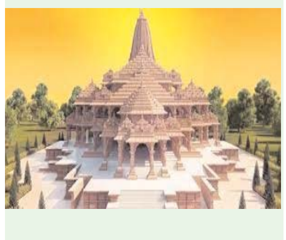

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को आएंगे बड़ी संख्या में मेहमान । बताया जाता है कि अयोध्या में 22 जनवरी को अयोध्या आगमन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हेलीकॉप्टर राम मंदिर परिसर में ही उतरेगा । अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर हेलीकॉप्टर के लिए हेलीपैड बनकर पहले से तैयार है । 22 जनवरी को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की सभी तैयारियां तेज कर दी गई है ।

थाना प्रभारी की पहल छात्र छात्राओं की समझदारी को बढ़ाने का किया प्रयास

❖ **थाना प्रभारी के बताएं मार्गदर्शन पर चलने का छात्र-छात्राओं ने दिया पूर्ण अवशासन**

द, अचीवर टाइम्स/पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी जिले के बहोरीबंद थाना प्रभारी सुरेंद्र शर्मा द्वारा बहोरीबंद के हाई सेकेंडरी स्कूल पर पहुंचकर छात्र-छात्राओं को मोटरसाइकिल पर हेलमेट और फोर व्हीलर पर सीट बेल्ट लगाने एवं यातायात के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करने और खुद की सुरक्षा को लेकर समझदारी के साथ वाहन चलाने की सलाह और समझाइए छात्र-छात्राओं को दी गई, साथ ही अपने अपने परिवारों एवं रिश्तेदारों को भी हेलमेट सीट बेल्ट और सुरक्षा समझदारी के साथ वाहन चलाने के लिए प्रेरित करने की सलाह देने की बात कही है थाना प्रभारी की इस पहल को लेकर छात्र-छात्राओं ने बड़ी ही समझदारी से अपनाया है और बहोरीबंद थाना प्रभारी सुरेंद्र शर्मा को अवशासन दिया है छात्र-छात्राओं ने कहा कि आपने जो भी यातायात के नियमों का सुझाव दिया है वह हम लोगों के जीवन को सुरक्षित रखने की सलाह है जिसे हम पूर्ण रूप से अपने जीवन पर ग्रहण करेंगे और वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करेंगे,,

श्रमिकों एवं निराश्रित बच्चों की पढाई के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत आवेदन शुरू

संवाददाता

हापुड़। अटल आवासीय विद्यालय में श्रमिक एवं निराश्रित बच्चों की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत आवेदन शुरू हो गये हैं। अटल आवासीय विद्यालय कौंदू, बुलंदशहर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, एवं कोविड काल में निराश्रित हुए बच्चों तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के पात्र बच्चों का कक्षा 6 एवं 9 में प्रवेश परीक्षा दिनांक 18 फरवरी 2024 को प्रस्तावित है। जिसके लिए आवेदन पत्र दिनांक 1 जनवरी से 15 जनवरी2024 तक लिए जा रहे है। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी जनपदीय श्रम कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय एवं खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों से निःशुल्क आवेदन प्राप्त कर नियत तिथि 15 जनवरी 2024 तक जमा कर सकते है।

हमें दिन प्रतिदिन पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करना है-विजयपाल आढती

नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों ने सदर विधायक विजयपाल आढती को दी बधाई

द अचीवर टाइम्स

हापुड़। नव नियुक्त बाबूगढ़ मंडल अध्यक्ष ने जिला अध्यक्ष और विधायक का जताया आभार कल देर रात सूची जारी होने को बाद शनिवार को सभी मंडल अध्यक्षों ने विधायक विजयपाल आढती व जिला अध्यक्ष नरेश तोमर का जिला कार्यालय पर जाकर धन्यवाद प्रेषित कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया और मिठाई खिलाकर उनका आभार व्यक्त किया बाबूगढ़ मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र चौधरी ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है वह इस भरोसे को कायम करते हुए आने वाली लोकसभा चुनाव में और संगठन द्वारा जो कार्य दिए जाएंगे उसको बहुत ही अच्छे तरीके से संपन्न करेंगे सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर वह पार्टी के दिशा निर्देश पर निरंतर कार्य करते रहेंगे। जिला अध्यक्ष नरेश तोमर ने भी सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई दी मिठाई खिलाई बीजेपी सदर विधायक विजयपाल आढती ने भी सभी मंडल अध्यक्षों को बधाई दी फूल मला पहनाएं और कहा कि हमें दिन प्रतिदिन पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करना। इस अवसर पर जिला महामंत्री शामेंद्र त्यागी ,पुनीत गोयल, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा अमित सिवाल, राहुल शर्मा, पंकज गर्ग, अमित चौधरी, संजीव शर्मा, राजीव शर्मा, सोहित वर्मा व सतीश मसंद आदि कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

विकास भवन में प्रशासनिक अधिकारीअनूप मिश्रा का हुआ भव्य स्वागत

रायबरेली। विकास भवन स्थित गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ रायबरेली की ओर से आयोजित 40 वर्षो की शासकीय सेवाओं सेद्द सेवानिवृत्त तथा कर्मचारियों- आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों सहायिका बहनों के मान- सम्मान व स्वाभिमान बनाए रखने के साथ कर्मचारी हितों में लम्बी अवधि तक जेल में रहकर समय- समय पर कर्मचारियों के हितों में संघर्ष रत कृषि विभाग के अधिकारियों के कूटरचित कार्यशैली का अपने सेवानिवृत्त अवधि तक जबरदस्त विरोध करने वाले अनूप मिश्र, जी के समान में भब्य आयोजन किया गया ! उपस्थित कर्मचारी समुदाय व भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री बुद्धी लाल जी द्वारा 40 वर्षो तक शासकीय कार्यो के साथ रचनात्मक ढंग से कर्मचारी साथियों- आंगनबाड़ी बहनों के कुशल नेतृत्व करने की के सराहना की !

कोहरे और गलन से अभी राहत नहीं

बारिश को लेकर मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

संवाददाता

लखनऊ। मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, शनिवार को गोरखपुर में अत्यधिक घना कोहरा होने के कारण दृश्यता शून्य तक पहुंच गई थी।

शनिवार को भी प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों बारिश होती रही। बारिश की वजह से तापमान नीचे ही बना रहा। कहीं-कहीं दोपहर बाद हल्की धुंधली धूप दिखाई दी। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए भविष्यवाणी की है। कोहरे और गलन से राहत मिलती नहीं दिख रही। हालांकि मौसम विभाग रविवार को बारिश से राहत के आसार जता रहा है। सोमवार से फिर मौसम करवट बदल सकता है और कड़ाके की ठंड परेशान कर सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, शनिवार को गोरखपुर में अत्यधिक घना कोहरा होने के कारण दृश्यता शून्य तक पहुंच गई थी। आगरा में 30 मीटर, कुशीनगर में 50 मीटर, बहराइच में 60 व झांसी में 80 मीटर दृश्यता रही। इसके अलावा प्रदेश के कई इलाकों में कोहरा रहा। मुजफ्फरनगर और आगरा में सबसे ठंडे दिन रहे।

अंबेडकरनगर, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनौर, चंदौली, देवरिया, फर्रूखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, जौनपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, लखनऊ, महाराजगंज, मऊ, मेरठ, मिर्जापुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संतकबीरनगर, संत रविदास नगर, सहारनपुर, संभल, शाहजहांपुर, शामली, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी व आसपास के इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है।

लखनऊ में ठंड बढ़ने के आसार

राजधानी में शनिवार को सुबह कई इलाकों में छिटपुट बारिश का दौर जारी रहा। सुबह कोहरा छाया रहा, दिन चढ़ने के साथ दिन भर बादल डेरा डाले रहे। धूप बिल्कुल नदारद रही। ठंडी हवाएं गलन का अहसास कराती रहीं। रविवार और सोमवार को बारिश तो नहीं रहेगी, लेकिन ठंड और कोहरे से राहत नहीं मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, नौ से फिर बारिश और ठंड बढ़ने के आसार हैं।

शनिवार को राजधानी में दिन का तापमान शुक्रवार के 16 डिग्री की तुलना में दो डिग्री से अधिक बढ़कर 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रात के पारे में लगभग स्थिरता बनी हुई है और वो 12..6 डिग्री रहा। पारा बढ़ने के बावजूद हवा और नमी के कारण लोगों ने गलन महसूस की।

पुणे से लखनऊ आ रही फ्लाइट नागपुर करनी पड़ी डायवर्ट, चार विमान नहीं भर सके

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ से अपराह्न 1:10 बजे गोरखपुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान करीब एक घंटा देरी से उड़ान भर सकी। जबकि मुंबई से 1:35 बजे लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब डेढ़ घंटा देरी से 3 बजे लखनऊ पहुंची।

कोहरे के चलते लखनऊ से प्रयागराज, वाराणसी रूट की उड़ानें शनिवार को कैंसिल रहीं। पुणे से लखनऊ आने वाली उड़ान को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। वहीं दिल्ली व मुम्बई रूट की उड़ानें देरी की शिकार हुई। ट्रेनों का संचालन भी गड़बड़ाया। दिल्ली, पंजाब, उत्तराखण्ड जाने वाली ट्रेनें देरी की शिकार हुईं। उत्तर भारत में कोहरे का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पुणे से सुबह 5:40 बजे लखनऊ पहुंचने वाला इंडिगो एयरलाइंस का विमान अमौसी एयरपोर्ट पर नहीं उतर सका। एयर ट्रैफिक कंट्रोल द्वारा लैंडिंग की अनुमति न मिलने के कारण कई चक्कर लगाने के बाद उसे नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। इसी प्रकार इलाहाबाद से शाम 7:15 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान, वाराणसी से 9:20 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान, लखनऊ से सुबह 10:25 बजे इलाहाबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान और लखनऊ से शाम 6:20 बजे वाराणसी जाने वाली इंडिगो की उड़ान रद्द कर दी गई। इसी तरह लखनऊ से अपराह्न 2:50 बजे दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान करीब 2 घंटे देरी से रवाना हुई। वहीं लखनऊ से अपराह्न 1:10 बजे गोरखपुर जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान करीब एक घंटा देरी से उड़ान भर सकी। जबकि मुंबई से 1:35 बजे लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब डेढ़ घंटा देरी से 3 बजे लखनऊ पहुंची। इंदौर से सुबह 10:05 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान 11:53 पर लखनऊ पहुंची। अहमदाबाद से 10:25 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान 1 घंटा देरी से लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड हो सकी। उधर गोरखपुर से 12:45 बजे लखनऊ आने वाली एयर इंडिया की उड़ान 1 घंटा देरी से और लखनऊ से 2:45 बजे रांची जाने वाली इंडिगो की उड़ान 4:10 बजे रवाना हुई। इसी तरह लखनऊ एयरपोर्ट पर आने जाने वाली अन्य उड़ाने भी काफी विलंब रहीं।

एक नज़र

बर्थडे पार्टी में असलहा लहराते हुए किया डांस

लखनऊ। सोशल मीडिया पर शनिवार को वायरल एक वीडियो में कुछ युवक बर्थडे पार्टी के दौरान असलहा लहराते हुए डांस कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी गई। वायरल वीडियो बछरावां क्षेत्र के पश्चिम गांव का बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि एक घर में कुछ युवक दोस्त की बर्थडे पार्टी मना रहे हैं। इस दौरान तमंचा लहराते हुए डांस भी कर रहे हैं। कोतवाली प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि वीडियो कहां का है और डांस कर रहे युवक कौन हैं।

थाने से पुलिस कार्यालय पहुंचे फरियादी तो थानाध्यक्ष की भूमिका की होगी जांच

लखनऊ। नवागत पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही जनसुनवाई की। दूरदराज से आए फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित थानाध्यक्ष को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाने से पुलिस कार्यालय फरियादी पहुंचे तो थानाध्यक्ष की भूमिका की जांच होगी। मूलरूप से छत्तीसगढ़ के रहने वाले अभिषेक वर्ष 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे ललितपुर, सिद्धार्थनगर में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने रायबरेली में भी बेहतर पुलिसिंग करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि फरियादियों को न्याय मिले, उनकी यही प्राथमिकता है। प्रयास यही रहे कि उन्हें थाने पर ही न्याय मिल जाए। उन्हें न्याय पाने के लिए दौड़भाग न करनी पड़े। अगर कोई फरियादी यहां तक पहुंचता है तो इसके बारे में जानकारी ली जाएगी। अगर संबंधित थानाध्यक्ष की लापरवाही मिली तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यहां पर तैनात रहे पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी का बदायूं तबादला हो गया है। नए एसपी ने पुलिस महकमे में बदलाव के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि अपराध कंट्रोल करने के लिए एसओजी टीम को और सक्रिय किया जाएगा। कार्य के प्रति मनमाना रवैया अपनाने वाले थानेदारों को चिह्नित कर उन्हें हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक पुलिसिंग की क्या स्थिति रही, किस तरह का अपराध ज्यादा हुआ और किन थानेदारों का रवैया ठीक नहीं रहा, इस पर जानकारी जुटाई जाएगी। कुर्सी बचाने के लिए कई थानेदार जुगाड़ भिड़ाने के साथ ही पुलिस अधीक्षक का मूड अफसरों और शुभचिंतकों से जानने में लगे रहे। थानेदार जानने का प्रयास करते रहे कि साहब कैसे हैं और उनके कार्यकाल में पुलिसिंग कैसी रहने वाली है।

अप्रैल से शुरू हो जाएगा प्रदेश में ई-बसों का उत्पादन

लखनऊ। लखनऊ में टाटा मोटर्स की यूनिट पहले से ही है। वहीं, कानपुर में ऑटोमोबाइल सेक्टर की करीब 1500 इकाइयां पहले से ही मौजूद हैं। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी अशोक लीलैंड का लखनऊ स्थित प्लांट अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इस संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरी हो गई हैं। जमीन आवंटन की प्रक्रिया दो हफ्ते में पूरी हो जाएगी। इसी के साथ स्कूटर्स इंडिया की जमीन से यूपी से पहले ई-बस का उत्पादन शुरू हो जाएगा। अशोक लीलैंड ने पहली बार यूपी में कदम रखा है। रिकॉर्ड समय में एमओयू के बाद कंपनी को लखनऊ और प्रयागराज में भूखंड दिखाए गए थे। पहले कंपनी ने प्रयागराज में रुचि दिखाई क्योंकि वहां जमीन की उपलब्धता के साथ-साथ अन्य फायदे भी दिख रहे थे। लेकिन वाहन बनाने के लिए सहयोगी इकाइयों की संख्या नगण्य होने की वजह से लखनऊ ने बाजी मार ली। लखनऊ में टाटा मोटर्स की यूनिट पहले से ही है। वहीं, कानपुर में ऑटोमोबाइल सेक्टर की करीब 1500 इकाइयां पहले से ही मौजूद हैं। इसलिए स्कूटर इंडिया की जमीन पर मुहर लगी, जहां से ई-बसों का निर्माण अप्रैल से शुरू हो जाएगा। इस निर्माण संयंत्र की क्षमता सालाना 2500 बसों की होगी। पहले चरण में कंपनी 1500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

चिकित्सक को स्टूल फेंककर मारा, घायल

लालगंज (रायबरेली)। सीएचसी के चिकित्साधिकारी डॉ. राजकिशोर तिवारी को इमरजेंसी ड्यूटी के दौरान बच्चे को दिखाने आए लोगों ने स्टूल फेंककर मार दिया। इससे उन्हें चोटें आईं। चिकित्सक ने कोतवाली में तहरीर दी है। चिकित्सक ने बताया कि शुक्रवार रात 12 बजे एक बच्चे को दिखाने युवक आया था। उनके साथ दो महिलाएं भी थीं। आते ही वह स्टाफ से उलझ गए और गाली-गलौज करने लगे। डॉक्टर ने जब मना किया तो गुस्साए व्यक्ति ने स्टूल फेंक कर उन्हें मार दिया। स्टूल चिकित्सक के चेहरे पर लगा। पुलिस बुलाने की बात कही तो तीनों भाग निकले। चिकित्सक ने सरकारी कार्य में बाधा डालने, शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं दूसरे पक्ष से जीवन दीप सिनेमा के निकट रहने वाली तानिया सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह रात में बच्चे का इलाज कराने अस्पताल गई थी। मौजूद डॉक्टर ने उससे व परिजनों से अभद्रता की और ईट पत्थर लेकर दौड़ा लिया। प्रभारी निरीक्षक शिवशंकर सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गौरीगंज विधायक की फर्जी आईडी बना मांगे पैसे

लखनऊ। साइबर अपराधियों ने गौरीगंज विधायक की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों से पैसों की मांग शुरू कर दी है। मामला संज्ञान में आने के बाद विधायक ने लोगों से किसी को पैसा नहीं देने की अपील की है। विधायक के दिल्ली होने से मामले में केस नहीं दर्ज कराया गया है। गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह इन दिनों किसी काम से दिल्ली गए हैं। विधायक की फोटो लगा उनके नाम से किसी ने फर्जी फेसबुक एकाउंट तैयार कर लिया है। लोगों से विभिन्न कारणों की बात कहते हुए पैसे की डिमांड करना शुरू कर दिया है।

गुपचुप तरीके से प्रत्याशी घोषित कर रही है सपा

संवाददाता

लखनऊ। इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे की तमाम अटकलों के बीच सपा खामोशी से अपने प्रत्याशियों को हरी झंडी दे रही है। फतेहपुर से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और कटेहरी से विधायक लालजी वर्मा का अंबेडकरनगर से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।वर्मा बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं। वहीं, गाजीपुर से सपा-बसपा गठबंधन से पिछला लोकसभा चुनाव जीते अफजाल अंसारी पर सपा इस बार दांव लगा सकती है। सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव राय का घोसी संसदीय सीट से चुनाव लड़ना तय है। इसी तरह से फर्रुखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य, फैजाबाद से पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद, कौशांबी से इंद्रजीत सरोज और बस्ती से राम प्रताप चौधरी के नाम करीब-करीब तय हैं। ये नेता अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के बीच संपर्क भी कर रहे हैं। गोरखपुर से काजल निषाद और सलेमपुर से रमाशंकर विद्यार्थी का टिकट पक्का माना जा रहा है। उन्नाव से पूर्व सांसद अनु टंडन को लड़ाया जा सकता है। इसके अलावा पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव खुद कन्नौज से, शिवपाल यादव आजमगढ़, डिंपल यादव मैनपुरी, धर्मेंद्र यादव बदायूं, अक्षय यादव फिरोजाबाद और एसटी हसन मुरादाबाद से मैदान में उतरेंगे।

अफजाल अंसारी कहते हैं कि बसपा कार्यकर्ता चाहता है कि अगला लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन में शामिल होकर लड़ा जाए। हालांकि, इस मामले में कोई भी अंतिम निर्णय बसपा सुप्रीमो मायावती को ही लेना है। अगला चुनाव सपा के टिकट पर लड़ने के सवाल पर कहा कि इस बारे में कुछ नहीं कहेंगे। हालांकि, राजनीति में किसी भी संभावना से कभी इन्कार नहीं किया जा सकता। यहां बता दें कि अफजाल अंसारी ने 2004 का लोकसभा चुनाव सपा के टिकट पर लड़कर ही जीता था।

यूपी में कांग्रेस को सपा सात लोकसभा सीटें देना चाहती है। सूत्रों का कहना है कि अगर कांग्रेस इससे ज्यादा सीटें मांगती है तो इसका मतलब होगा भाजपा को लाभ पहुंचाना। इसलिए कांग्रेस को अपनी मांग इस तरह रखनी चाहिए जो व्यावहारिक कसौटी पर खरी उतरे।

अब 10 जनवरी तक बंद रहेंगे आठवीं तक के विद्यालय नौ से 12 तक की कक्षाओं का बदला समय

संवाददाता

लखनऊ। सभी सरकारी, गैर सरकारी व निजी विद्यालयों में प्री प्राइमरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यालय 10 जनवरी तक बंद रहेंगे। जबकि नौवीं से 12वीं कक्षा तक के समय अवधि सुबह 10 से तीन बजे तक संचालित रहेंगी।

ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने आठवीं कक्षा तक के विद्यालयों में अवकाश को जारी रखा है। सभी सरकारी, गैर सरकारी व निजी विद्यालयों में प्री प्राइमरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यालय 10 जनवरी तक बंद रहेंगे। जबकि नौवीं से 12वीं कक्षा तक के समय अवधि सुबह 10 से तीन बजे तक संचालित रहेंगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय संचालन होने के दौरान ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था करनी होगी। विद्यालय प्रधानाचार्य व प्रबंधक की जिम्मेदारी होगी, कक्ष में तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए हीटर व अन्य की व्यवस्थाएं की जाएंगी। विद्यार्थियों पर यूनिफार्म पहनने का दबाव नहीं बनाया जाएगा। ठंड बचाव के लिए किसी भी तरह के गर्म कपड़े पहन सकेंगे। संभव हो तो विद्यालयों की कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से कराया जा सकता है।

बेकाबू कार की टक्कर से युवक की मौत, दो साथी घायल

महराजगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की देर शाम बेकाबू कार की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के पारा कला गांव निवासी आशीष, उमेश और संदीप एक ही बाइक पर सवार होकर महराजगंज आ रहे थे। हसनगांव के पास शिवगढ़ की ओर से आ रही कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां उमेश को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं आशीष, संदीप को जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाइक मृतक उमेश चला रहा था। वह हेलमेट लगाए हुए था। फिर भी उसकी जान चली गई।

एटीएस में तैनात एएसपी पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने का आरोप

संवाददाता

लखनऊ। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा के मुताबिक फेसबुक के जरिये वर्ष 2018 में राहुल श्रीवास्तव से जान-पहचान हुई थी। इसके बाद मुलाकात हुई। दावा है कि तब वह नाबालिग थी। एटीएस में तैनात एडिशनल एसपी राहुल श्रीवास्तव पर दुष्कर्म करने व गर्भपात कराने के आरोप में गोमतीनगर विस्तार थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। एएसपी की पत्नी, चार दोस्तों व अन्य पर धमकी देने का आरोप लगाया गया है। एफआईआर में इन सभी को आरोपी बनाया गया है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा के मुताबिक फेसबुक के जरिये वर्ष 2018 में राहुल श्रीवास्तव से जान-पहचान हुई थी। इसके बाद मुलाकात हुई। दावा है कि तब वह नाबालिग थी। राहुल ने भरोसा दिया था कि वह सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास कराने में मदद करेंगे। इसलिए वह अक्सर स्टडी मटीरियल देने के लिए बुलाते थे। छात्रा का आरोप है कि वर्ष 2019 में राहुल ने स्टडी मटीरियल व रिसर्च वर्क कराने के बहाने एक होटल में बुलाया। यहां पर उसको नशीला पदार्थ पिला दिया। बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर अश्लील फोटो क्लिक कर लिए। फोटो के नाम पर ब्लैकमेल कर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पिछले साल अप्रैल में जब वह गर्भवती हुई तो राहुल ने एक अस्पताल में ले जाकर गर्भपात करवा दिया।

तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। गुण दोष के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।- आशीष श्रीवास्तव, डीसीपी पूर्वी

पत्नी व दोस्तों पर धमकाने का आरोप

छात्रा का आरोप है कि जब मामले की जानकारी राहुल की पत्नी मनिनि श्रीवास्तव (जो लखनऊ विवि में शिक्षिका हैं) को हुई तो वह और राहुल के दोस्त सौरभ, सतीश, विक्रम, सिद्धार्थ व अन्य ने मिलकर उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। यही नहीं धमकाया कि अगर शिकायत की तो जान से मार देंगे। परिवार को झूठे केस में फंसा देंगे।

पूर्वदशम छात्रवृत्ति के लिए अब 14 जनवरी तक करें आवेदन

संवाददाता

लखनऊ। कक्षा 9 व 10 के छात्रों को छात्रवृत्ति के आवेदन के लिए तारीख बढ़ा दी गई है। अब 14 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे।

पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9 व 10) के लाभ से कोई भी पात्र वंचित न रहे इसके लिए समाज कल्याण विभाग ने छात्रों को आवेदन के लिए 7 दिन का और मौका दिया है। विभाग ने चौथी बार पोर्टल खोलकर छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख दो जनवरी से बढ़ाकर 14 जनवरी 2024 कर दी है। इसके लिए 8 जनवरी को दोबारा पोर्टल खोला जाएगा। बता दें कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति में कक्षा 9 व 10 के अनुसूचित जाति के छात्रों को 3500 रुपए छात्रवृत्ति दी जाएगी। किसी भी आय सीमा के स्वच्छकारों, विशेष सफाई कार्य से जुड़े परिवारों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति का प्रावधान किया गया है। वहीं, दशमोत्तर कक्षाओं में पढ़ रहे सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र 10 जनवरी तक एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के छात्र 31 मार्च 2024 तक आवेदन कर सकेंगे।

जिपं अध्यक्ष और जियालाल को मिला प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि व घटकौर मई स्थित कबीर मठ के जियालाल जी महाराज व एक अन्य को आमंत्रण पत्र मिला है। शनिवार को अयोध्या से पहुंचे कार्यकर्ताओं की अलग-अलग टीम ने दोनों जगह निमंत्रण पत्र पहुंचाया। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रहरी ने कहा कि राम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने राम मंदिर निर्माण के लिए सवा करोड़ रुपए की धनराशि अर्पित की है। अयोध्या में 2.98 करोड़ की लागत से बन रहे भव्य प्रवेश द्वार में भी सहयोग कर रहे है। अयोध्या में तीन माह तक चलने वाले भंडारे के लिए उद्योगपति राजेश अग्रहरी ने 50 लाख रुपये कीमत के मसाले के सात वाहन अर्पित किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अमेठी के सह विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने बताया कि उन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि के आमंत्रण पत्र मिलने की जानकारी है।

1990 में अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में लाखों लोग आंदोलन में कूद पड़े, इसमें अमेठी भी पीछे नहीं रही। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उद्योगपति राजेश अग्रहरि बताते हैं कि शहर के हनुमानगढ़ी से 23 कार सेवक का जत्था निकाला, जिसमें वह भी शामिल थे। सड़क और मुख्य मार्गों पर पुलिस की कड़ी निगरानी थी। इसके चलते पूरा जत्था पगडंडियों के सहारे निकला। नाला, तालाब, नदी पार करते हुए लोग खेतों की पगडंडी से निकल रहे थे। एक जगह तालाब में अंदर बहुत कांटे थे। उन कांटों पर चलकर कार सेवक तालाब पार किए। रास्ते में पड़ने वाले गांव के लोग रहने और भोजन प्रसाद की व्यवस्था करते थे, और पूरे श्रद्धा भाव से मदद करते थे।

राम ज्योति लेने अयोध्या पहुंचीं मुस्लिम महिलाएं

सुबह ज्योति लेकर काशी के लिए होंगी रवाना

संवाददाता

लखनऊ। हर वर्ष रामनवमी और दीपावली पर सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं के साथ प्रभु श्रीराम की महाआरती करती हैं। नाजनीन ने हनुमान चालीसा को उर्दू में लिखा है। डॉ. नजमा ने बीएचयू से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पीएचडी की है।

काशी से निकली राम ज्योति यात्रा शनिवार की देर शाम अयोध्या पहुंची। रामपंथ की ओर से आयोजित यात्रा का नेतृत्व कर रहीं मुस्लिम महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नाजनीन अंसारी को महंत शंभू देवाचार्य ने राम ज्योति भेंट की। इसे पाकर आह्लादित नाजनीन रविवार को सुबह अयोध्या से काशी के लिए रवाना होंगी। उनका कहना है कि राम ज्योति से काशी के घर जगमगाएंगे और नफरत का अंधकार मिटेगा। अंसारी ने कहा कि लोग धर्म बदल सकते हैं लेकिन पूर्वज, परंपरा और संस्कृति को नहीं बदल सकते। भगवान राम हमारे पूर्वज हैं। उनका मंदिर बनने से हम बहुत खुश हैं। राम के आदर्श और चरित्र आज पूरी दुनिया की जरूरत बन गए हैं। राम का नाम दुनिया को आतंकवाद और हिंसा से मुक्त कराने में सक्षम है। राम ज्योति घरों को ही नहीं बल्कि लोगों की आत्मा को भी प्रकाशित करेगी। डॉ. नजमा परवीन ने कहा कि यह देश राम का है। राम ही राष्ट्र हैं, बिना उनके भारत की महान संस्कृति की व्याख्या नहीं हो सकती। शांति और एकता के लिए राम ज्योति घर-घर में जलना जरूरी है।

मुसलमानो को इस खुशी में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ताकि उन्हे भारतीय होने पर गर्व हो सके। भगवान राम की हम संतान हैं। उनसे किसी कीमत पर अलग नहीं हो सकते हैं। काशी से अयोध्या के बीच में कई स्थानों पर मुस्लिम समाज के लोगों ने यात्रा में शामिल सदस्यों का स्वागत किया। सात जनवरी को काशी के सुभाष भवन में विशाल भारत संस्थान और रामपंथ की ओर से %%पूर्वजों से जुड़ो, राम से जुड़ो%% कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों मुस्लिम कार्यकर्ता शामिल होंगे।

काशी की रहने वाली नाजनीन अंसारी और डॉ. नजमा परवीन पिछले 17 वर्षों से रामभक्ति में रमी हैं। वर्ष 2006 में जब आतंकियों ने काशी के संकट मोचन मंदिर में बम ब्लास्ट करके हिंदुस्तान का ताना बाना बिगाड़ने का कुचक्र रचा तो उस समय नाजनीन और डॉ. नजमा ने 70 मुस्लिम महिलाओं के साथ संकट मोचन मंदिर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया था। इसके माध्यम से हिंदू व मुसलमानों के बीच उपजे नफरत को खत्म करने का प्रयास किया। हर वर्ष रामनवमी और दीपावली पर सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं के साथ प्रभु श्रीराम की महाआरती करती हैं। नाजनीन ने हनुमान चालीसा को उर्दू में लिखा है। डॉ. नजमा ने बीएचयू से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पीएचडी की है।

सम्पादकीय

बिहार में जातीय जनगणना- राष्ट्रीय-क्षेत्रीय दलों में तकरार

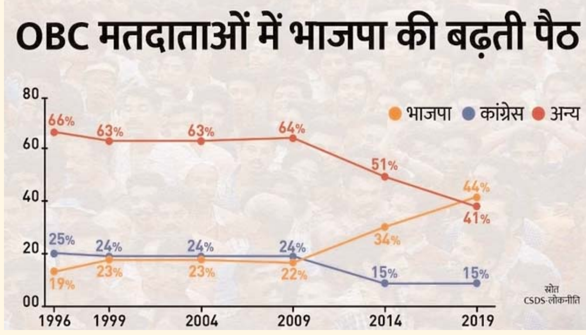

जनगणना कराने का काम केन्द्र सरकार का होता है लेकिन बिहार की बीजेपी-विरोधी नीतीश सरकार इस बार मोदी सरकार की रजामंदी का इंतजार नहीं करना चाहती। मोदी सरकार ने भी अभी इरादा साफ नहीं किया है कि कोविड की वजह से दो साल पहले जो राष्ट्रीय जनगणना का काम रोका गया था वो अब कब शुरू होगा और अगर होगा भी तो उसमें जाति आधारित जनगणना होगी या नहीं?

क्या देश में जाति एक सच नहीं है?

क्या देश में जाति के नाम पर भेदभाव नहीं होता?

इन दोनों सवालों का जवाब हां में ही है।

तो ऐसे में कोई भी सामान्य और समझदार नागरिक यही सुझाव देगा कि जाति आधारित जनसंख्या हो ताकि पिछड़ों, वंचितों के लिए खास सरकारी स्कीम बने और उनके उत्थान के लिए काम किया जा सके। लेकिन असल सवाल यह है कि केवल क्षेत्रीय दल ही कास्ट सेन्सेस की बात क्यों करते हैं? बीजेपी या कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल क्यों नहीं? जवाब आसान है आरजेडी, जेडीयू, सपा, बसपा जैसी पार्टियां एक खास तबके के वोट बैंक के आधार पर अपनी राजनीति करती आई है। जेडीयू कुर्मी और आरजेडी/सपा यादव वोट बैंक, आईएनएलडी जैसी पार्टी जाटों और बीएसपी-एससी जाटवों को आधार बनाकर सियासत करती है और कई-कई बार अपने सूबों में सरकार भी बनाती रही हैं। इसलिए इस बार भी ये दल ही जातिगत जनगणना के पक्ष में जमकर बैटिंग कर रहे हैं। बिहार में तो जेडीयू-आरजेडी की सरकार ने अपने सूबे में जातीय जनगणना कराना शुरू भी कर दिया है।

बिहार में जातीय जनगणना

जनगणना कराने का काम केन्द्र सरकार का होता है लेकिन बिहार की बीजेपी-विरोधी नीतीश सरकार इस बार मोदी सरकार की रजामंदी का इंतजार नहीं करना चाहती। मोदी सरकार ने भी अभी इरादा साफ नहीं किया है कि कोविड की वजह से दो साल पहले जो राष्ट्रीय जनगणना का काम रोका गया था वो अब कब शुरू होगा और अगर होगा भी तो उसमें जाति आधारित जनगणना होगी या नहीं? लेकिन नीतीश कुमार जल्दी में हैं। ये सर्वे कराकर वो कम से कम अपने राज्य में ओबीसी (और खासकर एमबीसी- पिछड़ों में भी पिछड़ा वर्ग यानी मोस्ट बैकवर्ड क्लास) में ये स्थापित करना चाहते हैं कि वो ही उनके असली हितैषी हैं और ये आंकड़े आने के बाद वो इस वंचित समाज के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करेंगे, लेकिन क्या सिर्फ यही परोपकारी या सामाजिक मंशा है नीतिश कुमार की? इस पूरे जनगणना के खेल में राजनीति को भी समझिए। बिहार के जातीय जनगणना के आंकड़े आने के बाद नीतीश और उनके साथी, आरएसएस-बीजेपी पर चढ़ाई कर पाएंगे कि ये अगड़ों और सवर्णों के संगठन हैं। पिछड़ों का भला चाहते ही नहीं तभी जाति आधारित जनगणना नहीं कराते हैं। नीतिश के ये सब करने के पीछे बड़ी वजह है, 2014 के बाद से बहुत बड़े ओबीसी वर्ग का बीजेपी की तरफ चले जाना। आंकड़ों से आप समझ जाएंगे कि कैसे 1996 से लेकर 2019 तक के चुनाव आते-आते रीजनल पार्टियों की जान रहा ओबीसी वर्ग अब खुलकर मोदी का बीजेपी के लिए वोट कर रहा है।

एक कार्यक्रम में नीतीश ने बिना नाम लिए सबकुछ कह दिया।

दरअसल भगवा परिवार (संघ और बीजेपी) की राष्ट्रवादी और राम मंदिर की राजनीति ने ओबीसी वर्ग में एक बहुत बड़ा तबका पैदा कर दिया जो अपने आपको हिंदू पहले मानने लगा और ओबीसी बाद में। इसी तबके ने 2019 के लोकसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों को नुकसान पहुंचाया। ऊपर से मोदी की शख्सियत ने भी, खासकर उत्तर भारत के एमबीसी तबके को बीजेपी के लिए वोट करने पर मजबूर किया। ऐसे में क्षेत्रीय पार्टियों को लगता है कि 2024 में जब राम मंदिर अयोध्या में बनकर तैयार होगा तो बीजेपी के हिंदुत्व कार्ड का काट केवल जातीय जनगणना के आंकड़े ही कर पाएंगे, तभी बाबा साहेब अंबेडकर की बात नीतीश और उनके साथी रह-रहकर याद दिला रहे है-

जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी साझेदारी!

1881 में पहली बार अंग्रेजों ने देश में सेंसेस करवाई जोकि हर दस साल में होनी तय हुई। 1931 में पहली बार जाति आधारित जनगणना हुई। उस वक्त के आंकड़ों के हिसाब से ही आज जातीय वर्गीकरण चला आ रहा है और उसी हिसाब से अलग-अलग जातियों के लिए सरकारें योजनाएं बनाती रही हैं।

जाति आधारित जनगणना को लेकर थी आशंका

देश आजाद होने के बाद नेहरू और पटेल की कैबिनेट ने तय किया था कि जाति आधारित जनगणना से देश में हालात चिंताजनक हो सकते हैं तो केवल जनगणना के एससी-एसटी के आंकड़े ही जारी होते रहे। यहां तक की 70-80 के दशक की राजनीति में जाति व्यवस्था को खत्म करने के नाम पर लोहिया और उनके तमाम प्रशंसकों ने अपने सरनेम (टाइटेल) लगाने तक बंद कर दिए थे। इन शख्सियतों में लालू प्रसाद और मुलायम सिंह जैसे नेता भी थे। इन्हीं नेताओं ने ही 1990 के दौर में वीपी सिंह की सरकार में मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू करवाया और ओबीसी को आरक्षण दिलवाया। मंडल कमीशन के जरिए आरक्षण लागू कराने का फायदा एसपी- बीएसपी को यूपी में और आरजेडी और जनता दल को बिहार-कर्नाटक जैसे राज्यों में मिला। इन सूबों में कांग्रेस और बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी की साख और संख्या दोनों में कमी आई। बाद में इन्हीं लोगों (लालू, मुलायम और शरद यादव जैसे ओबीसी नेताओं) ने दबाव बनाकर 2010 में यूपीए सरकार के राज में जातीय जनगणना का बिल पास कराया। जनगणना के लिए बजट सेन्क्शन कराया। 2011 में जनगणना हुई भी पर आंकड़े सार्वजनिक नहीं हुए।

मंडल-2 का दौर

अब जब बिहार में जाति आधारित जनगणना चल रही है तो इसे मंडल -2 का दौर कहा जा रहा है।

मंडल-वन के दौर में बीजेपी 1996 से लेकर 2009 तक ओबीसी वोटों के मामले में जूझती ही रही, लेकिन 2014 और फिर 2019 में इस हिंदुत्ववादी पार्टी ने ओबीसी वोटों में जो जबरदस्त प्रदर्शन किया उससे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट छाने लगा, खासकर लोकसभा चुनावों में, इसलिए नीतीश के इस कदम को मंडल-टू कहा जा रहा है, क्योंकि कुछ लोगों को ये डर है कि ये आंकड़े अगड़ों और पिछड़ों में और खाई पैदा कर देंगे, देश में नया बवाल खड़ा हो सकता है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों राष्ट्रीय दलों पर ये इल्जाम लगता है कि वो अपने अगड़े और सवर्णों को वोटबैंक को नाराज नहीं करना चाहती, तो ही वो देश में जातीय जनगणना कराने के लिए उत्साहित नहीं दिखती। मुंह पर विरोध भी नहीं करेगी, लेकिन ये काम पूरा हो उसमें मदद भी नहीं करेगी। ऐसे में एक सुझाव जो शायद सबकी मदद कर दे- राष्ट्रीय दलों को ही जातीय जनगणना कराने में आगे आना चाहिए, इससे क्षेत्रीय और छोटे दलों का भरोसा जीत पाएंगे। छोटे व क्षेत्रीय दलों को ये वादा देश से करना चाहिए कि वो जातीय जनगणना के आंकड़े राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या के आंकड़े के आने के बाद ही मानेंगे। राष्ट्रव्यापी सभी दलों को तय कर लेना चाहिए कि 2047 तक जाति आधारित असमानता को देश से खत्म करने में सब मिलकर प्रयास करेंगे।

अपनों के ही बीच अस्तित्व के लिए चीख रही है हिंदी

हमें जरूरत है एक नई भाषा नीति, एक नए भाषाई संस्कार की। जहां मेरी अवधी अपनी पहचान बताने के लिए बार-बार पांच सौ साल पीछे न जाए, जहां मेरी भोजपुरी गर्व से मत्था उठाए, जहां मेरी ब्रज और बुंदेलखंडी मेरे हुनर और मेहनत की ज़ुबान हो और हिंदी मेरे सम्मान और मेरी पहचान का सबसे महान शब्द। जो किसी की मोहताज न हो।

सरकार कहती है आज विश्व हिंदी दिवस है, दिवस होने में कोई हर्ज नहीं। मगर दुनिया में इतनी बातें हैं किस किसका दिवस मनाएं। मनुष्य का जीवन तो पहले क्षण से अंतिम क्षण तक दूसरों पर ही आश्रित है। इतनी अनुकंपा है हम पर कि हज़ार वर्ष पूरी मनुष्य प्रजाति सिर झुकाए रहे तो भी अपने कर्ज़ के शतांश को चुका नहीं पाएगी। एक छोटी दूब से लेकर नदियों, पहाड़ों जंगलों और हाथी की सूंड़ तक का हम पर अहसान है। मगर मनुष्य प्रजाति अहसान-फ़रामोश ठहरी। खैर... तो हिंदी भाषा पर आते हैं। अब यह वह भाषा है जिसे महान दुष्यंत कुमार के शब्दों में कहा जाए तो -

मैं जिसे ओढ़ता-बिछाता हूं
वो ग़ज़ल आपको सुनाता हूं

तू किसी रेल-सी गुज़रती है
मैं किसी पुल-सा थरथराता हूं

एक बाजू उखड़ गया जबसे
और ज्यादा वजन उठाता हूं

ये भाषा हमारे संवाद के जीवन की सांस है, ऑक्सीजन है। संवाद का हृदय प्रवाहमान रहे, स्वस्थ रहे, जीवन की धमनियों में रक्त का प्रवाह प्रबल रहे इसलिए जरूरी है कि सांस का वातावरण दूषित न हो बल्कि खुला हो, व्यापक हो, साफ हो। सांस में जंगल की खेत खलिहान नदी समुद्र की हवा हो। भाषा रूपी हमारी यह सांस वैसी ही होनी है। इसे बंद कमरों से, अधिकारियों से, आयोगों की फाइलों और विश्वविद्यालय के विभागों से नहीं आना बल्कि लोक और जनजीवन के बीच से, उनके दुख दर्द से, उनके हर रंग को लपेटे हुए आना है। हमारी इस भाषा में एक धोबिन की व्यथा, एक चुड़िहारिन की पुकार, एक भरभूंजे की डांट, एक मल्लाह का गीत, एक ठेलेवाले की चीत्कार, कुलियों की मार, मंदिर के पंडे का प्यार और दुत्कार, संत की अनासक्ति, व्यभिचारी की आसक्ति, एक पुलिसवाले की गाली, एक ग्वाले का गान, झाड़ू-पोछा की चिकचिक, घर की उदारता और स्वार्थ, एक बुनकर की खट-खट, हथौड़ी और बसुले की आवाज, एक सफाईकर्मी की मेहनत, पुर, रहट, डोलची, खांची, खुरपा, कुदाल की आवाज, अधिकारी का भ्रष्टाचार, नेता का सच झूठ दम्भ और व्यापार, मां की निशब्द ममता, गरीबी की बेआवाज चोट, बच्चे की अनकही चाहत और एक कुल्फ़ी पर पूरी दुनिया निसारने का मिज़ाज, प्रेम और इशारे का हर अंदाज होना चाहिए। क्रोध भी हो जैसे जीवन में आता है। हमें हमारा

डर भी दिखाए हमारी ये प्यारी भाषा। कुकड़ुकूं जैसी।

सरकारी बनाम हिंदुस्तानी हिंदी

महात्मा गांधी कहते थे, एक हिंदी है जो सत्ता या सरकार बोलती है, दूसरी हिंदी है जिसे जनता या लोक बोलता है। दूसरी हिंदी को वे हिंदुस्तानी कहते थे। जिसमें हर भाषा, इलाके और मिज़ाज के शब्द भरे पड़े हैं। गांधी वाली हिंदी किसी भी भाषा के अच्छे और अपने काम के शब्द को खट से अपना लेती है। इसलिए सरकारी हिंदी जिसे अधिशासी अभियंता कहती है, हिंदुस्तानी हिंदी उसे इंजीनियर कहकर अपना काम बखूबी चला लेती है। सरकारी हिंदी, दूसरी भाषाओं से डरती है इसलिए अपने बोलने वालों को भी डराती है, और अंत में अपना ही नुकसान करती है। गांधी जी वाली हिंदी किसी से नहीं डरती सबको प्रेम से गले लगाती है। आज तक हिंदी भाषा के साहित्य, कविता कहानी और सिनेमा को जो भी लोकप्रियता मिली है वह सरकारी हिंदी नहीं हिंदुस्तानी हिंदी को बोलने परखने और इस्तेमाल करने से मिली है। मगर यहीं दूसरी बात भी आती है। कि हमारी इस सांस का, हमारी हिंदी का अपनी बाकी बहनों से क्या नाता है? कैसा रिश्ता निभा रही है हमारी हिंदी अवधी, भोजपुरी, ब्रज, बघेली, बुंदेलखंडी से? खड़ी बोली से निकली है, आज की हमारी हिंदी। 300 साल पहले हिंदी का अस्तित्व न था। तब अवधी, भोजपुरी, ब्रज और रेखूते का राज था। तभी बाबा तुलसी और जायसी ने अवधी में, कबीर और रैदास ने भोजपुरी में और सूरदास ने ब्रज में अपना दिल निकालकर रख दिया। उर्दू अभी बनी नहीं थी। आज कहां गई ब्रज भाषा? कहां गए उधो और माधो? कहां है भोजपुरी - मनोज तिवारी, रवि किशन और निरहुआ के अश्लील गानों के अलावा? और कहां बची हमारी अवधी- मंगलवार के सुंदर कांड और खेत मजूर की भाखा के अलावा? क्या निबाह कर रही है हिंदी अपनी इन सखियों से? अपनी तिजोरी से उर्दू फ़ारसी अरबी के सोने जैसे लफ़्ज बाहर फेंककर क्यों और गरीब हो रही है हिंदी भाषा? खुद तो बैठ गई विधानसभा, सरकारी दफ़्तरों और सरकारी कागज़ों में संस्कृति से शब्दों की ओढ़नी ओढ़कर, मगर अपनी सखियों को छोड़ दिया, वहीं पीछे खेत खलिहान, हाट बाज़ार और गरीबी में।

अंग्रेजी के सामने परस्त होती भाषा

हां, अंग्रेजी के सामने अभी भी पिट रही है हमारी हिंदी, क्योंकि बड़े बाबू और लाटसाहब लोग अंग्रेज़ी ही बरतें- और दुनिया का व्यापार अंग्रेज़ी में होवे - मगर आप देखो एक पिट रही भाषा अपनी बहनों के साथ क्या कर रही है? अब सच्चाई की बात- इसमें भाषा का क्या दोष? दोष तो उस समाज है जो भाषा बरतता है। दोष तो इस समाज का है जो अपनी भाषा से इत्ता भी प्यार नहीं करता कि गलत वर्तनी न लिखे। दोष उस प्रभु वर्ग का है जो नीति नियंता है। ये प्रभु, नीति नियंता वर्ग स्वयं तो अंग्रेजी में खाता सोता जीता है, अपने बच्चों को सर्वश्रेष्ठ अंग्रेज़ी स्कूलों में या विदेश पढ़ने भेजता है मगर हमारे आपके लिए रोज़गार विहीन, सम्मानविहीन एक भाषा परोसता है और कहता है गर्व करो कि तुम्हारे पास हिंदी है। फिर आजकल राष्ट्रीय स्तर पर गंवारपन इतना फैला है कि लोग राजभाषा और राष्ट्रभाषा का फ़र्क़ जाने बग़ैर हिंदी मां के गले में एक और पत्थर की माला डाल देते हैं। स्थिति दिनों-दिन ख़राब होती जाएगी, क्योंकि कोई सोचकर बोलने का साहस नहीं कर रहा है। सब सस्ती लोकप्रियता और सस्ते प्रचार का साधन हासिल कर अपना उल्लू साध लेना चाहते हैं। कोई हिंदी भाषा की आज की हैसियत और भविष्य को लेकर चिंतित नहीं है। एक छली जा रही भाषा रोज जल रही है जिसमें स्वार्थी कभी-कभी हाथ ताप लेते हैं। जब जन ही छला जा रहा तो भाषा का कहना ही क्या? हमें एक नई भाषा नीति चाहिए, एक नया भाषाई संस्कार। जहां मेरी अवधी अपनी पहचान बताने के लिए बार-बार पांच सौ साल पीछे न जाए, जहां मेरी भोजपुरी गर्व से मत्था उठाए, जहां मेरी ब्रज और बुंदेलखंडी मेरे हुनर और मेहनत की ज़ुबान हो और हिंदी मेरे सम्मान और मेरी पहचान का सबसे महान शब्द। जो किसी की मोहताज न हो। वह दुनिया की पांच सबसे बड़ी भाषाओं में अपना मुक़ाम हासिल करे। अंग्रेज़ी उसे इज्जत से देखे, चीनी और जर्मन भाषा उससे सीखे और रूसी झुककर सलाम करे। ये कूबत है हिंदी में क्योंकि ये कूबत हमारी कौम में है। इसके लिए हिंदी को अपनी ठसक मिटानी होगी। अपनी सखियों को सर माथे बिठाना होगा। हिंदी की शक्ति और मुक्ति सभी भारतीय भाषाओं की शक्ति और मुक्ति में ही संभव है, अन्यथा नहीं।

विश्व हिंदी दिवस सहित सभी भारतीय भाषाओं के हर दिवस की बधाई।

(लेखक प्रियंका गांधी के सचिव हैं)

कोचिंग सेंटरों को माफिया करार करके प्रतिबन्ध की जरूरत

डॉ प्रियंका सौरभ

देश भर में नियम विरुद्ध कोचिंग सेंटरों का धड़ल्ले से संचालन हो रहा है। सरकार ने कोचिंग संस्थान चलाने के लिए कोई ठोस बिल या नियम तक नहीं बना रखे हैं, बिना कानून के संचालित अधिकतर कोचिंग क्लासेस मामूली नियमों को ताक में रखकर मनमर्जी से मोटी फीस वसूल कर सेंटरों का संचालन कर रहे हैं। इतना ही नहीं इन कोचिंग सेंटरों का जाल अब ग्रामीण क्षेत्रों तक फैल चुका है। ये छात्रों को बिना पूरी सुविधा दिए मोटी फीस वसूल रहे हैं। छात्रों के जीवन से खिलवाड़ को देखते हुए भी देश भर में शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौन बैठे हैं। यह उनकी कार्यप्रणाली को संदेह के घेरे में डाल देता है। लाभकारी शिक्षा उद्योग के उदय के साथ, कुछ संस्थानों ने अपनी कोचिंग सेवाओं के लिए अत्यधिक दरों की मांग करना शुरू कर दिया है। इससे शिक्षा का व्यावसायीकरण हो गया है, जहां छात्रों के कल्याण से ऊपर मुनाफे को प्राथमिकता दी जाती है। जैसे-जैसे शिक्षा अधिक विपणन योग्य हो गई है, वैसे-वैसे घटिया कोचिंग सेंटर भी बढ़ गए हैं, जिनमें से ज्यादातर अपने शिक्षार्थियों को फायदे की बजाय नुकसान अधिक पहुंचार रहें हैं।

आजकल हम आये रोज परीक्षाओं के लिए कोचिंग करने वाले छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामलों को सुनते है। जैसे ही छात्र आत्महत्या बढ़ती है, हमारी सरकारें कोचिंग माफिया को शिक्षा ऋण के बोझ के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। माता-पिता पर शैक्षिक ऋण का बोझ छात्रों के बीच तनाव के कारणों में से एक है। और इसके लिए केंद्र को एक नीति बनानी चाहिए ताकि माता-पिता को शिक्षा के लिए पैसे उधार न लेना पड़े। कोचिंग संस्थान सस्ते नहीं हैं, और इनकी फीस माता-पिता, विशेषकर कम आय वाले परिवारों पर काफी वित्तीय बोझ हो सकती है। फीस के अलावा, अध्ययन सामग्री, परिवहन और आवास के लिए भारी अतिरिक्त शुल्क हो सकता है। माता-पिता को कोचिंग के खर्चों को कवर करने के लिए ऋण लेने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। यह वित्तीय भार तनाव और चिंता उत्पन्न कर सकता है और कई परिवारों के लिए यथार्थवादी नहीं हो सकता है। कोचिंग संस्थान केवल पैसा इकट्ठा करने में रुचि रखते हैं। इसलिए कोचिंग सेंटरों को माफिया करार करके सरकार को उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। जब हम बच्चे थे तो कोई कोचिंग नहीं होती थी। क्या तब छात्र आईएएस, आईपीएस नहीं बन रहे थे? कोचिंग के नाम पर आज के दौर में माफिया उपजे है और सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। गहराई से और विश्लेषणात्मक रूप से देखा जाए तो यह राष्ट्रीय संसाधनों का शुद्ध दुरुपयोग बन गया है। जो छात्र शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह से कोचिंग सेंटरों पर निर्भर हैं, वे लंबी अवधि में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान का निर्माण करने में विफल हो सकते हैं। वे नियंत्रित सीखने के माहौल और कोचिंग सेंटर द्वारा दिए जाने वाले व्यक्तिगत ध्यान पर बहुत अधिक निर्भर हो सकते हैं, जिससे आत्मविश्वास और पहल की कमी हो सकती है। क्योंकि प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं के लिए कोचिंग के घोषित बुनियादी उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों के चयन की पूर्ति नहीं करते। कोचिंग सेंटर न होने पर भी सर्वश्रेष्ठ छात्रों का चयन किया जाएगा। वास्तव में कोचिंग सेंटरों की अनुपस्थिति में सर्वश्रेष्ठ छात्रों का चयन अधिक वास्तविक होगा। क्योंकि यह स्व-अध्ययन और कच्ची प्रतिभा पर आधारित होगा। कोचिंग सेंटर आंशिक रूप से देश में शिक्षा के गैर समाज पैटर्न का उत्पादन है। कोचिंग सेंटर अक्सर रटने और याददाश्त पर अधिक जोर देते हैं, जो एक छात्र के दीर्घकालिक शैक्षणिक विकास के लिए हानिकारक हो सकता है। परीक्षा-उन्मुख सीखने और निरंतर परीक्षण पर जोर देने से आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं की उपेक्षा हो सकती है। जो छात्र मुख्य रूप से कोचिंग सेंटरों पर निर्भर रहते हैं, वे जो सीखा है उसका विश्लेषण, मूल्यांकन और वास्तविक जीवन में लागू करने का कौशल हासिल नहीं कर पाते हैं। दूसरी और इनका बाहरी खर्च अक्सर उन गरीब परिवारों की कमर तोड़ देता है जिन्हें इस डर की दौड़ में भाग लेना पड़ता है। संस्थानों में सीटों की सीमित संख्या और बढ़ती आबादी हर साल प्रतिस्पर्धा को और अधिक कठिन बना देती है। इससे छात्र शारीरिक और मानसिक रूप से तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनमे से कई दुर्भाग्य से इस भारी तनाव से निपटने में असफल होकर अपने बहुमूल्य जीवन को समाप्त कर देते हैं। भारत में कोचिंग उद्योग हमारे छात्र समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज को कोई शुद्ध मूल्य वर्धन प्रदान नहीं कर रहा है। हमें स्थापित औपचारिक स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों पर कोचिंग सेंटर के प्रतिकूल प्रभाव का आंकलन करना होगा। वे पीड़ित है क्योंकि उनके कई नियमित शिक्षक अपनी नौकरी की अपेक्षा करते हैं और अंशकालिक निजी ट्यूशन करते हैं। जो छात्रों को कोचिंग सेंटर के लिए तैयार करने के लिए तैयार करते हैं। कोचिंग केंद्रों के विकास के परिणामस्वरूप प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है जो अपने छात्रों को शीर्ष ग्रेड और सर्वोत्तम स्कूलों में प्रवेश के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस वजह से, कई छात्रों में ÷चूहा दौड़ मानसिकता÷ विकसित हो गई है, जिसमें वे सफल होने के लिए अपनी नैतिकता और सिद्धांतों को त्यागने के लिए तैयार हैं। प्रदर्शन की मांग बढ़ने के कारण धोखाधड़ी और साहित्यिक चोरी सहित शैक्षणिक बेईमानी बढ़ गई है। हमारा शिक्षा उद्योग समाज के सभी वर्गों के लिए उत्पादक रचनात्मक नवीन और प्रगतिशील होना चाहिए। ऐसे उद्योग जो मौजूदा स्थापित संस्थाओं के समानांतर चलते हैं उनके लिए हानिकारक है। जो बड़े पैमाने पर समाज और राष्ट्र के लिए अभिशाप है। कोचिंग उद्योग एक ऐसा उद्योग है जिसने मौजूद क्षेत्र संस्थाओं को अनगिनत नुकसान पहुंचा हैं और ऐसे बेकार की प्रतिस्पर्धा पैदा करके समाज पर आर्थिक बोझ डाला है। जो निराश छात्रों द्वारा आत्महत्या जैसे लक्षणों में प्रकट हो रहा है। लाभकारी शिक्षा उद्योग के उदय के साथ, कुछ संस्थानों ने अपनी कोचिंग सेवाओं के लिए अत्यधिक दरों की मांग करना शुरू कर दिया है। इससे शिक्षा का व्यावसायीकरण हो गया है, जहां छात्रों के कल्याण से ऊपर मुनाफे को प्राथमिकता दी जाती है। जैसे-जैसे शिक्षा अधिक विपणन योग्य हो गई है, वैसे-वैसे घटिया कोचिंग सेंटर भी बढ़ गए हैं, जिनमें से ज्यादातर शिक्षार्थियों को फायदे की बजाय नुकसान अधिक पहुंचाते हैं। हमारी सरकार को इस कटु सत्य को समझना चाहिए और हमारे समाज के साथ खिलवाड़ करने वाले कोचिंग माफिया पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। हमारे समाज ने पारंपरिक रूप से सहयोग और संतुलित प्रतिस्पर्धा का आर्थिक माहौल बनाए रखा है। लेकिन इन कोचिंग सेंटर ने केवल एक भयंकर अस्वस्थकर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है जो धीरे-धीरे और निश्चित रूप से बड़ी संख्या में से प्रभावित छात्रों के बीच रचनात्मक और उधमशीलता की भावना को खत्म कर रहा है। हमारे अभिजात वर्ग को सरकार पर ऐसे कानून लागू करने के लिए दबाव डालना चाहिए। जो देश के सभी कोचिंग सेंटर को खत्म कर दें। कहने की जरूरत नहीं है सरकार को बढ़ती आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए अच्छे मानक के सार्वजनिक संस्थान स्थापित करने चाहिए। स्टार्टअप और उद्यमिता को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने से शैक्षणिक संस्थानों में सिमित सीटों और सरकारी संगठनों में सीमित पैसे और पदों के कारण उत्पन्न होने वाली भारी प्रतिस्पर्धा में भी कमी आएगी।

कोचिंग सेंटर पूरी तरह से गैर उत्पादक है और इन्हे यथाशीघ्र कड़ी कार्रवाई से खत्म किया जाना चाहिए। भारत में सभी कोचिंग सेंटर पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

मौजूदा समय की प्राथमिकता, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी सजगता

हमारा समाज मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी सजग नहीं है। यही कारण है कि हमारे आसपास काम करने वाले व्यक्ति से लेकर सड़क पर चलने वाला हर दूसरा व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है और हम उनकी पहचान नहीं कर पाते हैं। स्वास्थ्य, जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मान्यता भी है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इसीलिए अधिकांश लोग स्वास्थ्य की चिंता भी करते है और नियमित डॉक्टरी सलाह भी लेते हैं। स्वास्थ्य के प्रति लोगों की यह चिंता व सजगता मुख्यरूप से शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति ही देखा गई है, किंतु मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी ध्यान देना उतना ही आवश्यक है। विडंबना है कि हममें से अधिकांश लोग इसे स्वास्थ्य का हिस्सा ही नहीं मानते हैं। इस भाग-दौड़ व चकाचौंध की आधुनिक दुनिया में हर व्यक्ति समस्या और डर से घिरा हुआ है। उसकी कुछ समस्याएं तो शारीरिक स्वास्थ्य का हिस्सा बनकर इलाज करवा लेती है, पर कुछ उसके भीतर ही भीतर मानसिक विकार का रूप लेकर अचेतन में जड़ बना लेती है। मनुष्य का यही अचेतन मन कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति पर हावी हो जाता है और मानसिक द्वंद्व का

कारण बन जाता है। यह द्वंद्व कभी-कभी मनुष्य का स्वयं के प्रति हिंसात्मक व्यवहार के रूप में उभरता है तो कभी दूसरे मनुष्य के प्रति।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता जरूरी

हमारा समाज मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभी सजग नहीं है। यही कारण है कि हमारे आसपास काम करने वाले व्यक्ति से लेकर सड़क पर चलने वाला हर दूसरा व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है और हम उनकी पहचान नहीं कर पाते हैं। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को सिर्फ पागलपन के रूप में ही देखा व समझा जाता रहा है, इसीलिए व्यक्ति स्वयं और परिवार भी नहीं समझ पाता है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है और उसे ईलाज की आवश्यकता है। जबकि मानसिक स्वास्थ्य पागलपन नहीं है बल्कि हमारी अति संवेदनाओं, भावनाओं व अतृप्त इच्छाओं का मानसिक विकारों के रूप में हावी होना है। जो मनुष्य को हत्या व आत्महत्या तक की स्थितियों में ला खड़ा करता है और हम सोचते रहते हैं कि एक सामान्य सा दिखने वाले व्यक्ति ने आत्महत्या कैसे कर ली? यह स्थितियां संवेदनाओं के मानसिक असंतुलन से उत्पन्न होती हैं। मानसिक असंतुलन की स्थितियां संवादहीनता के कारण और अधिक बढ़ रही है। हमें बेहतर दिखने और अधिक बेहतर दिखने की प्रतिस्पर्धा ने अधिक आत्मकेंद्रित बना दिया है। आत्मकेंद्रित होने की इस प्रवृति के कारण मनुष्य अपने आसपास एक दिखावटी दुनिया का निर्माण कर लेता है और दो चेहरों के साथ जीना शुरू कर देता है। एक जिसे परिवार और समाज देख रहा है दूसरा उसका अपने आपसे जूझता भीतरी मन। आज जीवन में बदलते संघर्षों के मायनों ने भी मनुष्य के संघर्षरत जीवन को बदल दिया है। पहले बहुत अधिक न भी सही तो एक उम्र तक बच्चा स्वतंत्र व तनावमुक्त जीवन जीता था। उसपर सामाजिक, शैक्षिक व पारिवारिक दबाव कम हुआ करता था। या कह सकते हैं कि वह परिवार बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखता था। बच्चा विषम परिस्थितियों, असफलता की स्थितियों में परिवार के सहयोग से स्वयं को मानसिक दबाव से मुक्त कर लेता था। वर्तमान में सामान्य स्थितियां, संबंध, परिवार का ढांचा और मनुष्य, सबकुछ बदल गया है।

मानसिक द्वंद्व से जूझता समाज

सामाजिक, आर्थिक दबाव ने बच्चों के पैदा होने के साथ ही उसमें अच्छा, बहुत अच्छा और सबसे अच्छा होने का भाव भर दिया है। वह इस भाव को ताउम्र अपने साथ लिए जीता है और अपनी आगे की पीढ़ी को हस्तांतरित करता है। हम मानसिक दबावों से भरे ऐसे समाज में पैदा हो रहे हैं जहां हमारे आस-पास अथाह तनावों व दबावों के घेरे हैं। बचपन से परिवार व समाज इन घेरों में प्रवेश लेने की शिक्षा तो देता है लेकिन वह इन घेरों से बाहर निकलने की शिक्षा देना भूल जाता है। वह सफलता कैसे प्राप्त करें? यह शिक्षा अवश्य देता है लेकिन असफलता में कैसे स्वयं को मानसिक रूप से मजबूत बनाए? यह नहीं सिखाता है। आज हमारे आसपास का प्रत्येक व्यक्ति मानसिक द्वंद्व से जूझता, कभी खुद से लड़ता तो कभी दूसरों से झगड़ता देखा जा सकता है। इन्हें ईलाज अर्थात काउंसलिंग और सबसे अधिक संवाद की आवश्यकता है। अपनी मानसिक स्थितियों से किसी को परिचित न करा सकने की मानसिकता ही सबसे अधिक मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को जन्म दे रही है। मानसिक स्वास्थ्य को हमारी बीमारी न मानने की मानसिकता ही आत्महत्या की घटनाओं को बढ़ा भी रही है। हम जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सजग हैं व समय-समय पर उसका निरीक्षण व परीक्षण करवाते रहते हैं उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का भी करवाना चाहिए। पश्चिमी देशों ने इस समस्या को गंभीरता से समझा है, यही कारण है कि इन देशों में लगभग हर व्यक्ति का अपना काउंसलर होता है। किंतु भारत में अभी भी मानसिक स्वास्थ्य को समस्या के रूप में देखने की मानसिकता का ही अभाव देखने को मिलता है। आज युवाओं में रोजगार की चिंता ने उनको अपने परिवार से दूर कर दिया है। अकेलापन, प्रतिस्पर्धा व असफलता का डर उनके जीवन का संत्रास बनता जा रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि नौकरीपेशा लोगों को अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने का उचित समय दिया जाए जिससे कि वह अपने मानसिक द्वंद्व को अपनों से साथ साझा कर अपने मन में जन्म लेती नकारात्मक वृति का समन कर अपने ऊपर नकारात्मकता को हावी होने से बचा सके। अन्यथा युवाओं में बढ़ती मानसिक अस्वस्थता की स्थिति में आत्महत्या जैसा कदम हमारे, समाज, राष्ट्र के लिए हितकर नहीं होगा।

भाषा विवि में हुआ दीपोत्सव का शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स निखिल मिश्रा

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आठवें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में हो रहे दीक्षोत्सव समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय में स्थित अटल सभागार में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डा. नरेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बहुत ही सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां देते हुए गणेश वंदना नृत्य एवं सरस्वती वंदना जैसी प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम की शुरुआत और भी सुंदर की।इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता डा.अक्षय सिंह , साइकेटरिस्ट ने सभागार में उपस्थित सभी जनों को मानसिक तनाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि मानसिक तनाव कैसा और किन किन शक्लों में हो सकता है।उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि,÷अपने मानसिक तनाव को कम करने के लिए हम हर रोज़ अपने लिए दिन में बीस मिनट अवश्य निकालें और इसमें हम अलग प्रकार की गतिविधियां कर सकते हैं जैसे कि डायरी लिखना आदि चीजें कर सकते ÷हैं। कार्यक्रम का समापन करते हुए माननीय कुलपति जी को आशीर्वचन के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि ÷ जिस प्रकार हमारे घर जब किसी बच्चे का जन्म होता है तो हम बहुत सारी तैयारियां उत्सव के लिए करते हैं ,ठीक उसी प्रकार हमारे विश्वविद्यालय में भी यह कार्यक्रम उसी प्रकार आयोजित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में अलग अलग विभाग से शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।इसी फेहरिस्त में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया था द्व प्रतियोगिता का विषय रहा ÷रोल ऑफ फिमेल इन मेकिंग भारत विशिष्ट÷ द्व इस प्रतियोगिता का आयोजन ले. डॉ बुशरा एलवेरा द्वारा किया गया द्व वहीं उद्घाटन सत्र कार्यक्रम का संचालन डा. नलिनी मिश्र द्वारा किया गया और इस पूरे कार्यक्रम की समन्वयक डा. चंदना डे रही।

दलित समाज के युवक ने सी.ओ. पुरवा से प्रताणित होकर किया आत्मदाह

महाराजा लाखन पासी स्वाभिमान समिति अध्यक्ष ने परिजनों को न्याय दिलाने का दिलाया भरोसा

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। पुरवा तहसील क्षेत्र भूलेमऊ गांव निवासी मृतक श्रीचंद्र रावत ने सीओ दीपक कुमार सिंह की प्रताड़ना से आहत होकर एसपी आफिस में आत्मदाह करने को मजबूर हो गया था। मामले में सीओ पर एफआईआर दर्ज करने और निलंबन की कार्यवाही करने की मांग को लेकर हसनगंज तहसील परिसर के सामने महराजा लाखन पासी स्वाभिमान समिति के सदस्यों ने राज्य पाल संबोधित ज्ञापन तहसीलदार विराग करवरिया को सौंपा पासी समाज प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापन में बताया की पुरवा सीओ दीपक कुमार सिंह की प्रताड़ना की वजह से युवक ने आग लगाकर जान दे दी सीओ ने पीड़ितो का शोषण करते हुए आरोपियों को बचाने का काम कर अवैध तरीके से धन उगाई करते हैं। मृतक श्रीचंद्र के विरोधियों से 3 लाख रुपए लेकर ही पीड़ित को आत्मदाह करने को मजबूर किया। जिसके बावजूद प्रशासन ऐसे सीओ को बचाने का प्रयास कर रहे है । सीओ को निलंबित कर एफ.आई.आर. दर्ज की जाए जिससे निष्पक्ष जांच हो सके। और मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए, का मुआवजा एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भेजा जाए इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डी.पी. रावत ,अजय रावत, समाज सेवी बाबूलाल रावत, सर्वेश रावत, एडवोकेट हरीलाल रावत , मेवालाल रावत, महेंद्र कुमार सहित संगठन के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। तहसीलदार विराग करवरिया ने बताया ज्ञापन मिला है राज्य पाल को भेजा जाएगा।

राजकीय सम्मान व नम आंखों से विधायक मानवेंद्र का हुआ अंतिम संस्कार

मुख्यमंत्री योगी का शोक संदेश सुरेश खन्ना ने पढ़ा

द अचीवर टाइम्स

शाहजहांपुर। ददरौल से भाजपा विधायक मानवेंद्र सिंह का आकस्मिक निधन होने पर उनके पैतृक गांव ढकिया परवेजपुर में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में केंद्र और प्रदेश सरकार के तमाम बड़े नेताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा पार्टी के पदाधिकारियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। विधायक के अंतिम संस्कार में मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य सुरेश कुमार खन्ना, लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने उनकी अंतिम यात्रा में उन्हें कंधा दिया। पूर्व केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद, सहित तमाम बड़े नेताओं ने पहुंचकर अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजली दी। साथ ही जिले के डीएम उमेश प्रताप सिंह एसपी अशोक कुमार मीणा, डीएफओ प्रखर गुप्ता, सीडीओ एसबी सिंह, एडीएम प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी भी अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए। इस दौरान मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य सुरेश कुमार खन्ना ने दुख प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से भेजा गया शोक संदेश भी पढ़कर सुनाया।

एक नज़र

पानी को तरसते ग्रामीण,और गालियों में कीचड़

संवाददाता इंद्र कुमार पटेल

ढीमरखेड़ा,कटनी मध्य प्रदेश। तहसील ढीमरखेड का गांव पिंडरई जो कीचड़,गंदगी और पंचायत सरपंच, सचिवका शिकार बना हुआ है। वाटर सप्लाई का कार्य अधूरा छोड़ ठेकेदार गायब। सासन द्वारा देश,प्रदेश या गांवों में आम जनता को जल संकट से राहत दिलाने हर घर नल,हर घर जल योजना के माध्यम से पानी पहुंचे योजना चलाई जा रही है, किन्तु इसी क्रम में जब बात आती है गांव पिंडरई कि तो ऐसा लगता है मानो यहां कि जनता के विश्वास के साथ छल किया जा रहा है।

जिओ कंपनी की लापरवाही के चलते बाल बाल बचे मासूम

इंद्र कुमार पटेल

ढीमरखेड़ा। तहसील ढीमरखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिंडरई जियो कम्पनी की लापरवाही से बाल बाल बचें मासूम जिले के ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र में जियो कम्पनी द्वारा अंडर ग्राउंड लाईन को लेकर किया गया सड़क में गहरा गड्ढा जिसके कारण स्कूल बैन फंस गई दर्जनों बच्चे थे गाड़ी में सबार बड़ा हादसा होते होते टला मौके पर स्थानीय लोगों कि मदद से रेस्क्यू किया गया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तहसील बी.के.टी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम फरुखाबाद में किसान की जमीन पर दबंग भूमाफियाओं द्वारा किया जा रहा है अवैध कब्जा

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बताते चले कि बीकेटी तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत फर्रुखाबाद के रहने वाले इन्द पाल जो कि अपनी जमीन 2011 में अपनी जमीन सरीफ अहमद पुत्र स्व अब्दुल अजीज निवासी विनय खंड गोमती नगर लखनऊ को एक वर्ष के लिए एग्रीमेंट किया जिसका समय पूरा हो जाने के बाद भी सरीफ अहमद द्वारा किसान इन्द्र पाल की जमीन पर कब्जा करने पर लगे हैं उत्तर प्रदेश सरकार में भूमाफियाओं पर लगातार सिकंजा कसने के बावजूद भी दबंग भूमाफियाओं के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। आखिर कब्र होगी दबंग भूमाफियाओं पर करवाई या यूं ही भूमाफियाओं के सिकार होते रहेंगे किसान

22 जनवरी तक परिवहन की बसों में भी बजेगा राम भजन

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में एक अलग तरह का माहौल है। चारों तरफ सिर्फ भगवान राम के भव्य मंदिर को लेकर ही चर्चा हो रही है। गांवों और शहरों में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। भजन-कीर्तन हो रहे हैं। राम चरित मानस के अखंड पाठ आयोजित किए जा रहे हैं। रामभक्तों का ये उत्साह देखते हुए योगी सरकार ने भी वृहद स्तर पर तैयारी की है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 22 जनवरी को होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर कार्ययोजना तैयार की है। कार्ययोजना के तहत 22 जनवरी तक सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीएम योगी ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने अयोध्या के मंदिरों में 14 जनवरी से 24 मार्च 2024 तक भजन कीर्तन, रामायण एवं रामचरित मानस का पाठ, सुन्दरकांड के कार्यक्रम आयोजन कराने के निर्देश दिए थे। 22 जनवरी को लेकर परिवहन विभाग ने जो कार्ययोजना तैयार की है, उसके अनुसार सभी यात्री वाहनों में तथा बस स्टेशनों पर साफ सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश हैं, ताकि यात्रियों का सफर राममय हो सके और वह भी भगवान राम के जीवन से प्रेरणा ले सकें। भगवान राम से जुड़े भजनों में विभिन्न कलाकारों के प्रसिद्ध भजनों को शामिल किया जाएगा, जबकि आज के दौर में लोगों की जुबां पर चढ़े भजनों और गीतों को भी इसमें सम्मिलित किया जा सकता है। इसके अलावा स्थानीय गायकों के राम भजनों को भी इसमें स्थान मिल सकता है। इसके माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में लोगों के बीच रामोत्सव को लेकर उत्सुकता पैदा करना है, ताकि हर जन सामान्य इस कार्यक्रम से किसी न किसी रूप में जुड़ सके। कार्ययोजना के अनुसार, टैक्सी एवं सभी टूरिस्ट बस वाहन स्वामियों के साथ बैठक कर इस दौरान अयोध्या में टैक्सी एवं टूरिस्ट बसों को आवश्यकतानुसार आरक्षित रखने के लिए भी कहा गया है।

मानसिकताओं वाले लोगों से दूर रहना आदि विषयों पर ग्राम दोयमी की चर्चा

द अचीवर टाइम्स

हापुड़। शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने ग्राम दोयमी में सर्वे किया। जिसके फलस्वरूप सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रभाव पता चल सके छात्राओं ने जनसंपर्क किया। वह विविध कार्यक्रमों के विषय जैसे स्वच्छता, शारीरिक, मानसिक, स्वास्थ्य, शिक्षा की महत्वता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, रचनात्मक कार्य, सड़क सुरक्षा यातायात, संचारी रोगों से बचाव अंधविश्वास अज्ञानतावी कुंठित मानसिकताओं वाले लोगों सेवा दूर रहना आदि विषयों पर चर्चा पर चर्चा हुई। जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वप्रथम प्रधानाचार्य डॉक्टर स्नेहा प्रभा ने सभी छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम अधिकारी कुमारी जूली वी, डॉक्टर अनीता जायसवाल, शिप्रा ,श्रीवास्तव ,वात्सल्य प्रीति अग्रवाल आदि शिक्षाओं का विशेष सहयोग व योगदान रहा।

कविता शर्मा उर्फ मोनिका शर्मा श्री राम भक्त सेना की महिला शक्ति जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

द अचीवर टाइम्स

हापुड़। आवास विकास कॉलोनी मेरठ मार्ग निवासी कविता शर्मा उर्फ मोनिका शर्मा को श्री राम भक्त सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेश मिश्रा के निर्देश अनुसार राष्ट्रीय सचिव भारत सिंह बुंदेला ने महिला शक्ति का हापुड जिला उपाध्यक्ष मनोनीत कर नियुक्ति पत्र जारी किया है। उनसे उम्मीद की जाती है वे हिंदू धर्म व समाज के लिए संगठन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार कार्य करेंगी व संगठन और पद की गरिमा को हमेशा बनाए रखेंगी। वही कविता शर्मा उर्फ मोनिका शर्मा के महिला शक्ति जिला उपाध्यक्ष बनने पर क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं देने के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की तो वहीं कविता शर्मा उर्फ मोनिका शर्मा ने बताया है जो मुझे यह जिम्मेदारी श्री राम भक्त सेवा द्वारा दी गई है। मैं उस जिम्मेदारी को ईमानदारी से कर्तव्य निष्ठ से निभाऊंगी। और संगठन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही कार्य करूंगी।

फसल जलाने का लगाया आरोप प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। थानाक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलवारी में रहने वाले रमेन्द्र प्रताप सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने आरोप लगाते हुए कहा है कि गांव के ही सत्यदेव व जयकरन ने उसकी गन्ने की फसल जला दिया है। खेतों में काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें रुकने को कहा तो उन लोगो ने इस घटना को अंजाम देने की हामी भी भरी और कहा कि जो करना है कर लो। उक्त बातों को लेकर पीड़ित रमेन्द्र प्रताप सिंह ने दबंगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना है कि पुलिस इस मामले में दिलचस्पी दिखाकर न्याय करती है या फिर इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

कलेक्टर के प्रयास से हुआ नलकूप खनन

ढीमरखेड़ा की शासकीय संजय निकुंज नर्सरी हुई पानीदार

❖ नर्सरी के पौधों की सिंचाई में अब नहीं होगी दिक्कत।

द, अचीवर टाइम्स से पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश, कटनी। ढीमरखेड़ा की शासकीय संजय निकुंज नर्सरी के पौधों की सिंचाई के लिए कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर यहां नलकूप खनन का कार्य हुआ, इस नर्सरी में काफी अरसे से पौधों की सिंचाई के लिए पानी की समस्या थी। करीब 12 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाली संजय निकुंज नर्सरी में आम, नींबू,अमरूद, आंवला , चीकू सहित कई अन्य प्रजातियों के फलदार और गुलाब सहित अन्य फूलों के बागवानी पौधे लगे हैं। साथ ही इस नर्सरी में रोपने के लिए हर साल विभिन्न प्रजातियों के करीब 25 हजार पौधे तैयार कर कृषकों, स्व-सहायता समूह और पंचायतों और जलग्रहण क्षेत्रों में रोपण हेतु प्रदान किए जाते हैं। संजय निकुंज नर्सरी ढीमरखेड़ा के अधीक्षक राममिलन प्रजापति ने बताया कि वर्तमान में पौधों की सिंचाई हेतु नर्सरी पूरी तरह से मोरी नदी पर निर्भर थी। यह मोरी नदी गर्मियों के महीनों में सूख जाती है ,जिससे पौधों की सिंचाई नहीं हो पाती थी और पौधे सूखने लगते थे। नर्सरी की इसी समस्या को दूर करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री प्रसाद ने विशेष रूचि लेकर यहां नलकूप खनन कराया है। इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी भी निकल आया है। जिससे बारहों महीने पौधों की सिंचाई अच्छी तरह से हो सकेगी। साथ ही और अधिक प्रजातियों के पौधे भी यहां तैयार किए जा सकेंगे। स्थानीय ग्रामीण जनों ने कलेक्टर श्री प्रसाद की इस नेक पहल की सराहना की है।

अयोध्या में बाबरी मस्जिद के पैरोकार रहे इकबाल अंसारी को राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने को मिला निमंत्रण

अयोध्या। बाबरी पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को दिया गया रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण पत्र । राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर विशिष्ट जन के क्रम में शामिल होंगे बाबरी पक्षकार रहे इकबाल अंसारी । राम लला के पक्ष में फैसला आने के बाद इकबाल अंसारी ने देश के मुसलमानों से की थी अपील । सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सम्मान देने की किया था अपील । इकबाल के अपील के बाद देश भर में शांति से फैसले को किया था स्वीकार । प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन के दौरान प्रधानमंत्री पर किया था पुष्प वर्षा ।

विकास भवन में प्रशासनिक अधिकारीअनूप मिश्रा का हुआ भव्य स्वागत

द अचीवर टाइम्स

रायबरेली। विकास भवन स्थित गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ रायबरेली की ओर से आयोजित 40 वर्षों की शासकीय सेवाओं सेद सेवानिवृत्त तथा कर्मचारियों- आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों सहायिका बहनों के मान- सम्मान व स्वाभिमान बनाए रखने के साथ कर्मचारी हितों में लम्बी अवधि तक जेल में रहकर समय- समय पर कर्मचारियों के हितों में संघर्ष रत कृषि विभाग के अधिकारियों के कूटरचित कार्यशैली का अपने सेवानिवृत्त अवधि तक जबरदस्त विरोध करने वाले अनूप मिश्र, जी के समान में भव्य आयोजन किया गया! उपस्थित कर्मचारी समुदाय व भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री बुद्धी लाल जी द्वारा 40 वर्षों तक शासकीय कार्यों के साथ रचनात्मक ढंग से कर्मचारी साथियों- आंगनबाड़ी बहनों के कुशल नेतृत्व करने की के सराहना की !

आईजी रेंज लखनऊ ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों को हर संभव न्याय दिलाने का आश्वासन दिया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता कुन्दन सिंह

उन्नाव। आपको बताते चलें कि उन्नाव जनपद की कोतवाली हसनगंज क्षेत्र के बक्शी खेड़ा गांव निवासी दीपक पुत्र राम प्रसाद का शव 24 नवंबर को घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर पड़ोस के ही रहने वाले जय प्रकाश के घर में संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ मिला था। जिसपर मृतक के पिता ने जय प्रकाश सहित परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली हसनगंज में तहरीर दिया था। आरोपियों पर मुकदमा दर्ज न होने पर परिजनों ने उच्च न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई थी। जिसपर न्यायालय ने मामले को संज्ञान लेते हुए डीजीपी से जांच रिपोर्ट तलब की थी। जिसपर आईजी रेंज तरुण गाबा ने गांव पहुंचकर मृतक युवक के पिता रामप्रसाद सहित अन्य परिजनों से घटना के विषय में विस्तृत जानकारी ली, परिजनों ने बताया की बेटे की हत्या कर शव फंदे से लटका दिया गया था स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई न कर नाली के कीड़े कहकर भगा दिया था। आईजी तरुण गाबा ने किशोरी के घर जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। जहां पर युवक बल्ली से फांसी के फंदे से लटक रहा था वहां पर गठित एसआईटी से शीन रीक्रिएशन करने की बात कही है। वहीं परिजनों ने बताया की पीएम रिपोर्ट गलत आई है। शव का दोबारा से पीएम कराया जाए। इस दौरान एसआईटी टीम के साथ एसपी उन्नाव सिद्धार्थ शंकर मीना,एएसपी हरदोई नृपेंद्र सिंह,सीओ रायबरेली शेषमणि त्रिपाठी, इंस्पेक्टर रायबरेली इंद्रपाल सिंह सेंगर, सीओ हसनगंज संतोष सिंह सहित कोतवाली पुलिस बल मौजूद रहा। घटना स्थल पर करीब डेढ़ घंटे हर बिंदुओं पर विचार विमर्श करने के बाद आईजी तरुण गाबा नगर पंचायत मोहान के वन विभाग के डाक बंगले में एसआईटी टीम और एसपी,सीओ के साथ बैठक कर हर पहलुओं पर विचार विमर्श किया।

तहसील दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की शिकायत

213 प्रार्थना पत्रों में सिर्फ 11 प्रार्थना पत्रों का मौके पर हुआ निस्तारण

द अचीवर टाइम्स। अनुराग तिवारी

मोहनलालगंज,लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील दिवस में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने सुनी फरियादियों कि शिकायत कुल 213 प्रार्थना पत्रों में सिर्फ 11 प्रार्थना पत्र का मौके पर हुआ निस्तारण बाकी 202 प्रार्थना पत्र अवशेष रहे। वही नगराम के शाह मोहम्मद पुर अपैया गांव के बाहर पशुचर के लिए सुरक्षित पड़ी भूमि पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ो को गांव के ही एक दबंग पिता पुत्र द्वारा काटा जा रहा था जिसकी जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे प्रधान के विरोध करने पर दबंग पिता पुत्र प्रधान से भिड़ गए थे और हाथापायी पर उतारू हो गए थे। जिसके बाद प्रधान द्वारा नगराम थाने में मामले की शिकायत की गयी। लेकिन पुलिस द्वारा किसी प्रकार कि कार्यवाही न होने से क्षुब्ध ग्राम प्रधान सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डीएम लखनऊ से मामले की शिकायत की। बताते चलें नगराम थानांतर्गत शाह मोहम्मदपुर अपैया गांव के बाहर स्थित भूमि गाटा सँख्या 611 सरकारी अभिलेखों में पशुचर दर्ज है। जिसपर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ो को गांव के ही रहने वाले परीदीन अपने बेटे रूपेंद्र के साथ मिलकर काट रहा था और एक यूकेलिप्टस का पेड़ काट भी चुका था। इसकी जानकारी मिलने पर ग्राम प्रधान विनीत कुमार मौके पर पहुंचे और पेड़ो को काटने से मना करने लगे यह बात पिता पुत्र को नागवार गुजरी और वह प्रधान विनीत कुमार के साथ गाली गलौज करते हुए हांथापाई पर उतारू हो गए। जिसके बाद ग्राम प्रधान , ग्राम सचिव के साथ नगराम थाने पहुचकर मामले की लिखित शिकायत की थी लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न होने से क्षुब्ध ग्राम प्रधान विनीत कुमार ने शनिवार को मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर मामले की लिखित शिकायत डी.एम वा एस.डी.एम मोहनलालगंज से की। ग्राम प्रधान विनीत कुमार ने बताया कि डी.एम वा एस.डी.एम से शिकायत कर दी गयी है शिकायती पत्र के साथ लेखपाल की रिपोर्ट भी संलग्न कर दी है। वहीं अवैध खनन को लेकर डीएम ने सख्त निर्देश जारी करते हुए अवैध खनन कर रहे खनन माफियाओं की जानकारी देने की बात कही है तथा संबंधित को सख्त निर्देश भी दिए। देखने वाली बात तो यह है राजस्व संबंधित शिकायतों की भरमार रही 213 प्रार्थना पत्रों में 126 प्रार्थना पत्र राजस्व संबंधित थे इससे साफ जाहिर होता है कि राजस्व संबंधित शिकायतों पर अंकुश लगाने में प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है।

तेजतर्रार आईपीएस आलोक प्रियदर्शी बने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ

संवाददाता

बदायूं। तेजतर्रार आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी ने अपनी पुलिस सर्विस में बदमाशों के खिलाफ सख्त अभियान हमेशा जारी रखा। डिप्टी एसपी से शुरू हुई उनकी सर्विस अब आईपीएस अफसर तक आ पहुंची है। आईपीएस अफसर बनने के बाद आलोक प्रियदर्शी कई जिलों में कप्तान के रूप में कार्य कर चुके हैं। शासन ने अब आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी को अम्बेडकरनगर के बाद कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के संसदीय गढ़ रायबरेली में पुलिस कप्तान बनाया। विभिन्न जनपदों में अपराधियों को सबक सिखाने वाले वर्तमान में रायबरेली के के बाद अब बदायूं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी पर पेश है खोजी

न्यूज की खास रिपोर्ट

मुजफ्फरनगर में आलोक प्रियदर्शी जब सीओ सिटी का कार्यभार संभाल रहे थे तो शहर कोतवाली के खालापार मौहल्लें में सीढ़ी लगाकर डकैती डालने वाले गैंग के कई सदस्य रहते थे। पुलिस उनके यहां दबिश देती थी तो वह छत के रास्ते से भाग जाते थे। ज्ञात हो कि आलोक प्रियदर्शी ने बिहार के पटना में 23 अगस्त 1966 को ब्रज मोहन प्रसाद के परिवार में जन्म लिया। आलोक प्रियदर्शी की प्रारंभिक शिक्षा भी बिहार में ही हुई। आलोक प्रियदर्शी ने मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री करने के बाद मास्टर ऑफ फिलॉसफी भी की हैं। आलोक प्रियदर्शी का उत्तर प्रदेश की राज्य पुलिस सेवा में 1991 में चयन हो गया। आलोक प्रियदर्शी पीपीएस अफसर बनने के बाद कई जनपदों में तैनात रहे। पीपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी 2007 में जनपद मेरठ में क्षेत्रधिकारी के पद पर तैनात रहे। पीपीएस आलोक प्रियदर्शी जनपद मुजफ्फरनगर के एसपी देहात के पद पर मुकर्रर रहे।

पीपीएस आलोक प्रियदर्शी को शासन ने जनपद मेरठ में 22 अक्टूबर 2016 को एसपी सिटी के पद पर भेजा था। पीपीएस अफसर आलोक कुमार ने जनपद मेरठ के एसपी सिटी के पद पर रहते हुए जनपद के थाना नौचंदी क्षेत्र में नये साल से एक दिन पहले गणपति प्रकाशन के मालिक अभय रस्तोगी के घर में डकैती कर लाखों का माल लूट ले जाने वाले गैंग का खुलासा कर दिया था। उसके बाद पीपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी का वर्ष 2018 में आईपीएस में प्रमोशन हो गया था। प्रमोशन के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एसपी के पद पर तैनात किया गया। एसपी के पद पर रहते हुए भी एसपी एसटीएफ आलोक कुमार के नेतृत्व में लखनऊ एसटीएफ की टीम ने संडीला रेलवे स्टेशन के निकट आजमगढ़ के शातिरों को असलहा सप्लाई करने आए पांच लोगों को गिरफ्तार किया और पुलिस ने अपराधियों के कब्जे से 23 पिस्टल और 23 मैगजीन बरामद की थी। आलोक प्रियदर्शी ने कई जनपदों में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर उनकी कमर तोड़ने का काम किया। पीपीएस अफसर के रूप में लगभग 27 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद शासन ने उनको प्रमोशन दे दिया। आलोक प्रियदर्शी पीपीएस अफसर के रूप में कार्य करने के बाद 2018 बैच के आईपीएस अफसर बन गये। आईपीएस आलोक प्रियदर्शी को शासन ने प्रमोशन के कुछ दिन बाद ही 22 अगस्त 2018 को हरदोई के पुलिस कप्तान की कमान सौंप दी थी। जब आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी हरदोई के पुलिस कप्तान के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे। उस दौरान हैदराबाद में एक महिला डॉक्टर के साथ गैंगरेप और हत्या के बाद पूरे देश में आक्रोश माहौल था। हर कोई इस घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा की बात कर रहा था, इस बीच सोशल मीडिया पर एक आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी का वीडियो वायरल हो रहा था। उस वीडियो में तत्कालीन एसपी आलोक प्रियदर्शी रात में सड़क पर अकेली जा रही लड़की की मदद करते नजर आ रहे थे। सोशल मीडिया पर यूजर्स इस वीडियो को देख तत्कालीन एसपी आलोक प्रियदर्शी की खूब तारीफ कर रहे थे। उसके बाद शासन ने आईपीएस आलोक प्रियदर्शी को 3 दिसम्बर 2019 को अम्बेड़कर नगर के पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात किया था। इस दौरान माफिया खान मुबारक पर धारा-14 (1) उत्तर प्रदेश गैंगेस्टर एक्ट अधिनियम की कार्यवाही का आदेश जारी हुआ था जिसके अनुपालन के क्रम में माफिया खान मुबारक ने अपराध के पैसों से अर्जित की गई अवैध सम्पत्ति को आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी ने माफिया खान मुबारक का थानाक्षेत्र हंसवर ग्राम हरसंभार में मेन रोड पर स्थित सवा करोड़ का मकान ध्वस्त किया था।

इसके अलावा 23 सितंबर 2020 को ग्राम थाना हंसवर में स्थित पौने दो एकड़ जमीन (अनुमानित मूल्य 72 लाख रुपये) मे लगी फसल जिसका अनुमानित मूल्य 1 लाख रुपये उसे टैक्टर के द्वारा नष्ट किया गया व जमीन पर सरकारी कब्जा किया गया। दिनांक 22 सितंबर 2020 को हंसवर बाजार स्थित काम्पलेक्स जिसमें 20 दुकाने थी जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ 40 लाख उसे ध्वस्त किया था। माफिया खान मुबारक के विरुद्ध प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 35 मुकदमें दर्ज हैं। इससे पहले भी लगभग पाँच करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति जब्त की गई थी व माफिया खान मुबारक के साथी परवेज पुत्र सुबराती जो कि एक लाख रुपये का इनामियाँ व रूबीना पत्नी परवेज पर पचास हजार रुपये का इनाम घोषित है जिनकी लगभग पचास लाख रुपये की सम्पत्ति जब्त की गई थी। शासन ने आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी का अम्बेडकरनगर से तबादला कर अब उनके हाथों में रायबरेली के पुलिस अधीक्षक की कमान सौंपी है। आईपीएस अफसर आलोक प्रियदर्शी ने कमान संभालने के चंद दिनों बाद ही थाना डलमऊ इलाके में करीब छह कुंतल गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की। बरामद किये गये गांजे की कीमत छह करोड़ रुपये बताई गई है।

एक नज़र

बदायूं के नए एसएसपी होंगे आलोक प्रियदर्शी

बदायूं। बदायूं के नए एसएसपी होंगे आलोक प्रियदर्शी जो रायबरेली से वर्तमान एसएसपी ओपी सिंह का स्थान लेंगे। वर्तमान एसएसपी ओपी सिंह का प्रमोशन हो गया है वह अब डीआईजी के पद पर हो गए हैं। यहां बता दें आलोक प्रियदर्शी 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वर्तमान एसएसपी ओपी सिंह ने बदायूं में एक लम्बी पारी खेली है। इस पूरे कार्यकाल में डॉ ओपी सिंह का कोई भी विवादित मामला नहीं रहा है। उन्होंने नेताओं व अपने सबोर्डिनेट्स के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखा।

मंदिर से चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

हमीरपुर। मुस्करा पुलिस ने मंदिर से चोरी करने वाले चार चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी किए गए सामान को भी बरामद कर लिया है। मुस्करा थाने के एसआइ जुबेर खान ने बताया कि गहरौली गांव निवासी मंदिर के पुजारी भागवत प्रसाद ने मुस्करा थाने में स्थित मंदिर से चोरी करने की घटना थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने बादल पुत्र राधेश्याम राजपूत, सुपर पुत्र समीर मुहम्मद, रहीम खान पुत्र रौशन अली निवासी गहरौली थाना मुस्करा, प्रशान्त कुमार पुत्र संतोष कुमार निवासी पुनिया थाना खरेला जनपद महोबा को गिरफ्तार किया है। थाना मुस्करा पुलिस द्वारा संबंधित आरोपितों को इमिलिया तिराहा ग्राम गहरौली मुस्करा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से सौर ऊर्जा की चार बैट्री बरामद की है।

पेंशनर संघ की बैठक संपन्न, समस्याओं के निराकरण को लेकर हुई चर्चा

हमीरपुर। मुख्यालय स्थित नगर पालिका के रैन बसेरा में शुक्रवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें पेंशनर की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे संगठन के अध्यक्ष श्यामचरन साहू ने पेंशनर संघ के सदस्यों द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय के सात लंबित प्रकरणों, मौदहा बांध के अधिशाषी अभियंता से संबंधित एक प्रकरण के निस्तारण को लेकर चर्चा की। बैठक में तीन नए सदस्यों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की और 23 सदस्यों ने अपनी नवीनीकरण कराया। संघ के सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विशेष प्रयास किए जाने के लिए भी जोर दिया गया। बैठक में प्रेमनारायण तिवारी, राजकिशोर नामदेव, प्रेमकुमार श्रीवास्तव, ओमप्रकाश लखेरे, दिनेशचंद्र श्रीवास्तव, हरनारायण बाजपेई, उमाशंकर, कपूर सिंह, भगवानदीन समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सेवानिवृत्त कर्मचारी सतीश कुमार खरे के निधन पर दो मिनट का मौन धारण किया गया। बैठक का संचालन गुरुदेव सिंह ने किया।

एनआरएलएम कर्मियों की एक माह से लगातार हड़ताल जारी, लोग परेशान

हमीरपुर। कुछेछा स्थिथ विकास भवन में संचालित एनआरएनलएम कार्यालय के सभी कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बीते एक माह से हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों की इस हड़ताल से सारे कामकाज ठप पड़े हुए हैं। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं समूह के काम भी नही हो पा रहे हैं। एनआरएलएम के जिला प्रबंधक प्रशांत मिश्रा ने बताया कि विभिन्न मांगों को लेकर विभाग के कर्मचारी बीते एक माह से हड़ताल पर चल रहे हैं। इसके बाद भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें नही मानी जाती तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि विभाग के कर्मचारी सैलरी इंक्रीमेंट, भत्ता, इंश्योरेंस, शिक्षा भत्ता, ट्रांसफर नीति लागू करने समेत अन्य मांगों को लेकर यह हड़ताल रखी गई है। उन्होंने बताया कि दस वर्षों से उनके वेतन में कोई बढ़ोत्तरी नही की गई है। जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारियों की इस हड़ताल से समूह के कामकाज भी ठप पड़े हुए हैं और कार्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ है। इस मौके पर रविंद्र कुमार, आशुतोष सिंह, मयंक सचान, कपिल तिवारी, विनय द्विवेदी, इसरार मौजूद रहे।

सहसवान ब्लॉक दहगवां क्षेत्र के ग्राम भोयस में 9 वर्षीय छात्रा की दर्दनाक मौत

संवाददाता

बदायूं। सहसवान ब्लॉक दहगवां क्षेत्र के ग्राम भोयस में घर के बाहर खेल रही छात्रा नेन्सी उम्र 9 वर्ष ग्राम के ही प्राथमिक विद्यालय की छात्रा थी छात्रा के पिता दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि उनकी बेटी आज लगभग 9:00 बजे प्रातःके करीब घर के पास ही अवनीश उपाध्याय के मकान के पास खेल रही थी इसी बीच बीच उनके घर का छज्जा अचानक जर्जर हालत में छज्जा गिर गया जो खेल रही छात्र के ऊपर जा गिरा परिवार जन बच्ची को लेकर तत्काल बदायूं मेडिकल कॉलेज के लिए ले गए यहां चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया बताते चलें छात्रा नैंसी पुत्री दिनेश शर्मा उम्र 7 वर्ष ग्राम भोयस ग्राम में ही स्थित प्राथमिक विद्यालय कक्षा 2 की छात्रा थी जो होनहार छात्रा थी परिवार के सदस्यों ने शाम को ही शमशान घाट पर ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

एसपी ने 13 उपनिरीक्षकों का किया तबादला, विभाग में मचा हड़कंप

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक डा.दीक्षा शर्मा ने फेरबदल करते हुए दो चौकी प्रभारियों समेत कुल 13 उपनिरीक्षकों का तबादला इधर से उधर किया है। एसपी द्वारा जारी की गई स्थानांतरण सूची के अनुसार उपनिरीक्षक सुशील कुमार शुक्ला को ललपुरा से थाना मौदहा, केशव सिंब को ललपुरा से थाना जरिया, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव को जरिया से थाना ललपुरा, हरिनारायण को थाना मौदहा से प्रभारी एएचटीयू, रमेश कुमार राणा को पुलिस लाइन से प्रभारी सम्मन सेल, राजेश कुमार यादव को थाना राठ से थाना ललपुरा, चौकी प्रभारी चंडौत थाना जरिया योगेंद्र बहादुर को थाना राठ, वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना कुरारा संगमलाल प्रजापति को चौकी प्रभारी बेरी कुरारा, रमाकांत शुक्ला को पुलिस लाइन से वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना जरिया, प्रमोद

मॉडल विलेज ट्रस्ट ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया

संवाददाता

बदायूं। मॉडल विलेज ट्रस्ट ने इस कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए अपने चुने हुए गांव के अलावा आसपास के लगभग 10 गांव के और सहसवान मे लगभग 300 से ज्यादा बेसहारा गरीब जरूरतमंदों को कंबल बांटे द्य आज भी विलेज कोऑर्डिनेटर अजमल हुसैन ने अपने आवास पर भी कंबल वितरण किय जिसमें मुख्य अतिथि काशिफ अली खान व हाफिज नदीम रहे मॉडल विलेज ट्रस्ट के विलेज कोऑर्डिनेटर अजमल हुसैन ने बताया कि मॉडल विलेज ट्रस्ट लगभग 4 साल से बदायूं जिले में काम कर रहा है जिसमें मॉडल विलेज ट्रस्ट ने अपने 6 गांव चुने हैं जिसमें तीन गांव सहसवान के क्षेत्र

एवं तीन गांव ककराला में सहसवान में बसौलिया इस्माइलपुर कुर्बानपुर में मॉडल विलेज ट्रस्ट काम कर रहा है मॉडल विलेज ट्रस्ट अपने चुने हुए गांव में शिक्षा स्वास्थ्य कृषि रोजगार एवं साफ सफाई पर काम करता है इसके अतिरिक्त मॉडल विलेज ट्रस्ट ने बसोलिया में 13 गरीबों को मकान बनाकर दिए तथा कुर्बानपुर में 6 मकान बनाए हैं और इस्माइलपुर में पांच मकान बना रहे हैं द्य और गाँव में तरक्क़ी खुशहाली के लिए काम हो रहे हैं द्य इस मौके पर अमजद हुसैन, मौलाना अजीम,हाफिज आसीम रजा, हाफिज फहीम, मल्लू खान, अकील अहमद दर्जन लोग

6 जनवरी तक मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी-हेमंत पटेल उपजिलाधिकारी कालपी

संवाददाता

कालपी(जालौन)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में चलाए जा रहे निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण अभियान के तहत कालपी विधानसभा क्षेत्र में अभी तक 18940 लोगों के द्वारा नाम बढ़ाने, घटाने तथा संशोधित करने के लिए आवेदन किया गया है। वही अभियान के तहत 6 जनवरी तक मतदाता सूची में नाम बढ़ाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाएगा। अगर किसी प्रकार की उस दिन छुट्टी होती है, तो 24 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। उपजिलाधिकारी ने बताया कि किसी भी व्यक्ति का नाम निर्वाचन नामावली से छूट ना जाए, इसलिए 6 जनवरी तक फॉर्म भरे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण को बेहतर कार्य करने के लिए दो बीएलओ को इस वर्ष सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा चुका है। कई मतदान केंद्रों में कमियां पाई गई थी, जिनके संबंधित विभागों के जिम्मेदारों को कमियां ठीक करने के लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। अब सेक्टर मजिस्ट्रेट के द्वारा मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा। मतदान केंद्रों में पानी, रैंम्प, रोशनी, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी। कालपी तहसील क्षेत्र के मतदान केंद्र प्रभारी शशांक कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि कालपी विधानसभा क्षेत्र में 467 बूथ हैं। जिनमें कालपी तहसील क्षेत्र में 320 तथा जालौन विधानसभा क्षेत्र में 147 बूथ शामिल है। उन्होंने बताया कि मतदान पुनरीक्षण अभियान के तहत 4 जनवरी तक 18940 लोगों के द्वारा ऑनलाइन तथा ऑफलाइन फॉर्म भरे गए हैं। जिनमें नाम बढ़ाने के लिए 11634 तथा नाम घटाने के लिए 6443 व नाम संशोधित करने के लिए 873 फॉर्म भरे गए हैं।

कदौरा में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले अक्षत पूजन कलश यात्रा कदौरा में उमड़ी भीड़

अमित कुमार यादव

कदौरा। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. इससे पहले देशभर में अक्षत पूजन कलश यात्रा निकाली जा रही है। कदौरा में भी शुक्रवार को अक्षत पुजन कलश यात्रा के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अक्षत पूजन कलश यात्रा शुक्रवार को दोपहर 12 बजे मुख्य स्थिति बड़ी माता मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टॉप होकर पुराना थाना होते हुए डाकघर इंडियन बैंक से होते हुए राम जानकी मंदिर से रामलीला ग्राउंड में बाजार होते हुए बड़ी माता मंदिर में जाकर संपन्न हुई। कदौरा में शुक्रवार को अक्षत पुजन कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी. जय श्री राम के नारों और भगवान राम के गीतों के साथ यह यात्रा निकाली गई। इस दौरान रथ पर राम-सीता और लक्ष्मण हनुमान सवार थे. जगह-जगह महिलाए और पुरुष उनके स्वागत के लिए खड़े थे. साथ ही डीजे की धुन पर जमकर भक्त नाच रहे थे। दरअसल, श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के तहत हर घर महा संपर्क अभियान चलाया जा रहा है. इसको लेकर आज कदौरा में अक्षत पूजन कलश यात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस बल तौनत रही। इस मौके पर उपस्थित लोगों में दो अखंड प्रताप सिंह नरेंद्र सिंह जादौन पूर्व विधायक, देवेन्द सिंह मंडल अध्यक्ष जगत विश्वकर्मा कदौरा नगर पंचायत प्रतिनिधि रवि शिवहरे राहुल सिंह परिहार विवेक निगम अनुज सिसोदिया आशीष शुक्ला ऋतिक तिवारी पवन द्विवेदी दीपेंद्र द्विवेदी संगम शुक्ला पवन गुप्ता अमित गुप्ता मेंबर राजेश कुमार बबलू शुक्ला कैलाश बाजपेई अनिल गुप्ता रेनू वर्मा मीना शुक्ला पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा कस्बा इंचार्ज सचिन शुक्ला संदीप जुगल किशोर प्रमोद कुमार इत्यादि लोग मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नकली नोटों की तस्करी करने वाले लोगों की फिराक में दे रही दबिश

संवाददाता

सहसवान। बताते चलें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दा फाश किया है। इस संबंध में गिरोह के तीन आरोपियों को अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 50 लख रुपए की नकली नोट बरामद हुए आरोपी पिछले 5 वर्षो से नकली नोटों के धंधे में थे और इन्होंने अब तक करीब 5 करोड रुपए की नकली नोट बाजार में चला भी दिए। जिसको लेकर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल लगातार नकली नोटों का कारोबार करने वाले गिरोह की फिराक में सहसवान में दबिश दे रही है। पता चला है की अकबराबाद चौराहे से दिल्ली पुलिस द्वारा एक और युवक को हिरासत में लिया गया है। जिसको लेकर इस धंधे में लिप्त लोगों में दहशत बनी हुई है। वही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल्स इस अवैध धंधों में लिप्त होने वाले लोगों की कुंडली खंगाल रही है। आपको बता दे इन लोगों द्वारा नकली नोट छापने के लिए पूरा सेटअप बनाया हुआ था।यह गिरोह दिल्ली एनसीआर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, और अन्य क्षेत्रों में नकली नोटों का खपा रहा था।आरोपियों में आसिफ अली, दानिश अली, और सरताज खान शामिल है। यह तीनों आरोपी जिला बदायूं के सहसवान क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों के पास से नकली नोट और इन्हें बनाने का सेटअप ज़प्त कर लिया है।यह नकली नोटों का अवैध धंधा सहसवान नगर की चार नंबर चौकी पर स्थित मैक्स अस्पताल में तीसरी मंजिल पर चल रहा था जिसकी भनक आज तक किसी को नहीं लगी हैरान करने वाली बात एक और भी रही इस धंधे के बारे में मकान मालिक के लिए भी आज तक पता नहीं चला जो नगर में एक चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि यह मकान अब से 5 महीने पहले किराए पर दिया गया था आरोपियों ने बताया यह सहसवान क्षेत्र में चार नंबर चौकी के बराबर में एक निजी मैक्स अस्पताल में नकली नोट बनाते हैं। जहां दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल्स ने छापेमारी के दौरान कमरे से नकली नोट बनाने का सामान व नकली नोट प्रिंटर लैपटॉप आदि बरामद कर लिया है। माना जा रहा है अभी इस प्रकरण में और भी लोगों को उठाया जा सकता है

हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों ने उप जिलाधिकारी को विभागीय पत्र देकर कार्रवाई की मांग की

संवाददाता

कालपी(जालौन)। स्थानीय नगर के राष्ट्रीय राजमार्ग की पौने दो किमी. लंबी सर्विस रोड के दोनों ओर की सड़कों में अतिक्रमण तथा आड़े तिरछे खड़े वाहनों के खिलाफ विभाग सख्त कार्रवाई करने में जुट गया हैं। हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को विभागीय पत्र देकर कार्रवाई करने की अपेक्षा की है। विदित हो कि झांसी-कानपुर हाईवे कालपी नगर के बीचोबीच फोरलेन सड़क गुजरी हुई हैं। पौने दो किमी. लंबे हाईवे मार्ग में 800 मीटर लंबा फोरलेन ओवरब्रिज गुजरा है, जबकि पौने दो किमी. लम्बाई के दोनों तरफ सर्विस लेन बनी हुई है। हालत यह है कि सर्विस लेन में जगह-जगह आड़े तिरछे वाहन खड़े रहते हैं। जिससे कई बार सर्विस लेन में जाम की स्थिति उतपन्न हो जाती हैं तथा कई बार दुर्घटनाएं होने का अंदेशा बना रहता है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के ए.जी.एम गणेशन ने बताया कि सर्विस लेन में अतिक्रमण को हटवाने के लिए पैट्रोलिंग वाहन निरंतर चलता रहता हैं। उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को पत्र लिख पुलिस के सहयोग से अतिक्रमण हटवाने के लिए भी अनुरोध किया है।

बरसात तथा ठंड से पसरा रहा सन्नाटा

शुक्रवार की दोपहर को कालपी में हुई झमाझम बारिश की वजह से लोगों का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। दोपहर 12 शुरू हुई बरसात के बाद बाजार में सन्नाटा पसर गया। व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकानें तथा प्रतिष्ठानों को खोल ही था कि बरसात होने से कारोबार प्रभावित हो गया। मुख्य बाजार टरननगंज, सर्राफा मार्केट, खोवा मंडी, मूंगफली मंडी, गल्ला मंडी में दुकानें तो खुली रही, लेकिन सन्नाटे की वजह से दुकानदार हाथ पे हाथ धरे बैठे रहे।

बस स्वामियों ने किया विरोध प्रदर्शन बुलंद की आवाज

संवाददाता

सोनभद्र। आरटीओ कार्यालय पर शनिवार को अपनी मांगों को लेकर प्राइवेट बस संचालकों द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुए परिवहन आयुक्त नामित पत्र संबंधित आरटीओ को सौप कर बुलंद की आवाज।वही बताया कि अराष्ट्रीयकृत मार्ग ओबरा से मुर्धवा वाया तिलगुड़वा, कोन, विण्ढमगंज पर अवैध रूप से संचालित बसे यू0पी064 टी 287 यू0पी0 64 बीटी 6928, यू0पी0 64 एटी 4319, यू0पी0 83 एटी 4416, यू0पी0 64 एटी 9392 के संचालन को बन्द कराने सम्बन्ध में। वही ट्रक मालिकों ने बताया कि हम प्रार्थीगण उक्त मार्ग के बस स्वामी है। प्रार्थीगण की बसे स्टेज कैरेज परमीट से अच्छादित है, प्राधिकर की शर्तो के अनुरूप उक्त मार्ग पर रोटेशन प्रणाली में संचालित होती है उक्त मार्ग पर कुछ दबंग, सरहंग किस्म के बस स्वामी मा कोटा, कोटा, चोपन, मारकुण्डी घाटी पर परमीट लेकर फिक्स नम्बर बनाकर, ओबरा से मुर्धवा मार्ग पर धड़ल्ले से संचालित हो रहे जिनके संचालन से रोटेशन प्रणाली में संचालित वाहनों के संचालन में बाधा उत्पन करते हैं। हम प्रार्थीगण का यह कथन हैं इनका परमीट जिस रूट का है उस पर संचालन रोटेशन में किया जाये। उक्त समस्या के सम्बन्ध में हम प्रार्थीगण द्वारा समर उच्चाधिकारियों को अनेको बार प्रार्थना पत्र दी जा चुकी है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ है। महोदय सम्भागीय परिवहन अधिकारी के आदेश दिनांक- 06.04.2023 पत्रांक सं0- 98/अवैध संचालन /202 पत्रांक- 1092/प्रवर्तन/ 2023 सम्बोधित पत्र ए0आर0टी0ओ0 धनबीर यादव, राजेश्वर यादव को है, जिसमें स्पष्ट रूप से सम्भागी परिवहन अधिकारी मिर्जापुर द्वारा आदेशित किया गया है कि मार्ग ओबरा, मुर्धवा, कोन, विण्ढमगंज, दुद्धी पर अवैध रूप से संचालि वाहनों के उपर आवश्यक कार्यवाही करें। किन्तु आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग व मीलीभगत से अवैध रूप से संचालित बसों का संचालन कराया जाता है। शिकायत करने पर हम प्रार्थीगण की वाहनों का चालान ए 4श्चद्द किया जाता है। प्रशासन की इसी उदासीन रवैया के चलते हम प्रार्थीगण की बसे खड़ी हो गयी है, वाहनों का टैक्स बीमा अ खर्च नहीं निकल पा रहा है। अतः श्रीमान् जी से अनुरोध है कि मार्ग ओबरा, कोन, मुर्धवा, विण्ढमगंज, दुद्धी पर अवैध रूप से संचालित व वर्ग रोटेशन में संचालित वहनों का संचालन बन्द कराने की कृपा करें। उक्त अवैध वाहनों का संचालन बन्द न होने की दशा में ह प्रार्थीगण मा0 उच्च न्यायालय की शरण में जाने को मजबूर होंगे जिसकी सारी जिम्मेदार शासन व प्रशासन की होगी।इस मौके पर प्राइवेट बस आपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष नंद किशोर जायसवाल महामंत्री मनदीप जयसवाल रविकांत नरेश टिंकू मदन अशोक मोहन विनय आकाश चितरंजन उदय मोनू , नन्द किशोर जायसवाल आदि लोग मौजूद थे।

बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड के यूनिट रौजागांव ने 26-12-2023 तक खरीदे गन्ने का किया गन्ना मूल्य भुगतान जिससे कृषकों में खुशी की लहर

संवाददाता

रुदौली अयोध्या। बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड, यूनिट रौजागांव जिला अयोध्या द्वारा वर्तमान पेराई सत्र 2023-24 में दिनांक 26 दिसम्बर 2023 तक क्रय किए गए गन्ने का गन्ना मूल्य 6.62 करोड़ रुपए का भुगतान दिनांक 05-01-2024 को कर दिया गया है तथा किसानों का गन्ना मूल्य किसानों के संबंधित बैंक खाते में भेज दिया गया है। चीनी मिल द्वारा वर्तमान पेराई सत्र में त्वारित गन्ना मूल्य भुगतान की योजना की जा रही है चीनी मिल के यूनिट हेड सुधीर कुमार ने कृषको से अनुरोध किया है कि जिस क्षेत्र में प्रजाति को. 0238 में रेडरॉट का प्रकोप आ गया है उस क्षेत्र के किसान भाई अपने संबंधित मिल स्टाफ़ से मिल कर गन्ना बीज नर्सरी से को. 0118 गन्ना प्रजाति, को. 15023 गन्ना एवं को?लख0 14201 प्रजाति का बीज बसंत कालीन गन्ना बुवाई के सुरक्षित करें, साथ ही साथ किसान भाई जिन खेतों में रेडरॉट का प्रकोप है उस खेत में पेड़ी गन्ना ना लें तथा उसमें फसल चक्र अपनाएं। इसी क्रम मे आगे बढ़ते हुए इकाई प्रमुख सुधीर कुमार ने किसानों से अपील की वे मिल को साफ-सुथरा, जड़, मिट्टी, अगोला, पत्ती व हरा जूना रहित गन्ना ही आपूर्ति करें।इस मौके पर हरदयाल सिंह, विभागाध्यक्ष (गन्ना) ने किसानों से अपील की है कि किसान भाई पर्ची का स.रूस. आने के बाद ही गन्ने की कटाई करें तथा अपना बेसिक कोटा बनाने हेतु अपनी ही पर्ची पर गन्ने की आपूर्ति करे, जिससे आगामी वर्ष में गन्ना आपूर्ति में कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही किसान भाई अपने मोबाइल इनबॉक्स समय-समय पर खाली किया करे जिससे उन्हें गन्ने की पर्ची, भुगतान आदि के स.रूस. प्राप्त हो सके तथा *गन्ना आयुक्त महोदय, उ0प्र0, लखनऊ के स्तर से जारी सट्टा नीति के प्रस्तर 5 (ङ्गढ्ढङ्क) के अनुसार मिल गेट व वाह्य क्रय केन्द्रो कर जारी पर्ची मोड के वजन का 15 प्रतिशत अधिक वजन ही तौल हो सकेगा, इससे अधिक तौल की गई मात्रा ई0आर0पी0 पर अपलोड नहीं होगी जिससे किशनों को अधिक तौल कराये गए गन्ने का भुगतान नहीं मिलेगा अतः निर्धारित सीमा के अंदर ही तौल कराये। कोहरे से बचाव हेतु चीनी मिल द्वारा रिफ्लेक्टर भी लगाया जा रहा है ।

एक नज़र

22 जनवरी तक परिवहन की बसों में भी बजेगा राम भजन

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में एक अलग तरह का माहौल है। चारों तरफ सिर्फ भगवान राम के भव्य मंदिर को लेकर ही चर्चा हो रही है। गांवों और शहरों में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। भजन-कीर्तन हो रहे हैं। राम चरित मानस के अखंड पाठ आयोजित किए जा रहे हैं। रामभक्तों का ये उत्साह देखते हुए योगी सरकार ने भी वृहद स्तर पर तैयारी की है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 22 जनवरी को होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर कार्ययोजना तैयार की है। कार्ययोजना के तहत 22 जनवरी तक सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीएम योगी ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने अयोध्या के मंदिरों में 14 जनवरी से 24 मार्च 2024 तक भजन कीर्तन, रामायण एवं रामचरित मानस का पाठ, सुन्दरकांड के कार्यक्रम आयोजन कराने के निर्देश दिए थे। 22 जनवरी को लेकर परिवहन विभाग ने जो कार्ययोजना तैयार की है, उसके अनुसार सभी यात्री वाहनों में तथा बस स्टेशनों पर साफ सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश हैं, ताकि यात्रियों का सफर राममय हो सके और वह भी भगवान राम के जीवन से प्रेरणा ले सकें। भगवान राम से जुड़े भजनों में विभिन्न कलाकारों के प्रसिद्ध भजनों को शामिल किया जाएगा, जबकि आज के दौर में लोगों की जुबां पर चढ़े भजनों और गीतों को भी इसमें सम्मिलित किया जा सकता है। इसके अलावा स्थानीय गायकों के राम भजनों को भी इसमें स्थान मिल सकता है। इसके माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में लोगों के बीच रामोत्सव को लेकर उत्सुकता पैदा करना है, ताकि हर जन सामान्य इस कार्यक्रम से किसी न किसी रूप में जुड़ सके। कार्ययोजना के अनुसार, टैक्सी एवं सभी टूरिस्ट बस वाहन स्वामियों के साथ बैठक कर इस दौरान अयोध्या में टैक्सी एवं टूरिस्ट बसों को आवश्यकतानुसार आरक्षित रखने के लिए भी कहा गया है। टैक्सी एवं बस ड्राइवरों को संवेदनशील बनाए जाने के लिए प्रशिक्षण देकर उनका अनुपालन सुनिश्चित किए जाने को भी कहा गया है। इसमें सुरक्षित वाहन चलाना एवं यातायात नियमों का पालन कराया जाना, चालकों का टूरिस्ट के प्रति व्यवहार, चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से वर्दी धारण किया जाना, किसी प्रकार का नशा एवं पान गुटखा के सेवन से दूर रहना, वाहन की साफ-सफाई को सुनिश्चित किए जाने के संबध में और निर्धारित किराया से अधिक किराया किसी भी दशा में न वसूल किया जाए जैसे बिंदु शामिल होंगे। इसके अलावा, अयोध्या की परिधि के 200 किमी. में सभी मार्गों पर इंटरसेप्टर वाहनों द्वारा प्रवर्तन टीमों को टूरिस्ट के सहायतार्थ लगाया जाना तथा सड़क दुर्घटना से संबधित बिंदुओं जैसे- ओवरलोडिंग, ड्रंकन ड्राइविंग, रांगसाइड ड्राइविंग, निर्धारित किराया से अधिक किराया लिए जाने, चालकों के ड्रेस कोड तथा सुरक्षा की दृष्टि से अन्य उपायों को अपनाए जाने के लिए जागरूक किए जाने के साथ-साथ आवश्यकतानुसार प्रवर्तन कार्यवाही किया जाना भी सम्मिलित है। लखनऊ से अयोध्या, गोरखपुर से अयोध्या तथा सुल्तानपुर से अयोध्या के बीच पड़ने वाले समस्त टोल प्लाजा पर टूरिस्ट की सहायता के लिए परिवहन विभाग का हेल्पडेस्क स्थापित किया जाएगा। सुरक्षित सफर के लिए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का होर्डिंग, समाचार पत्रों, पब्लिसिटी वैन, डिजिटल बैनर तथा समस्त सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यही नहीं, सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्गों तथा राज्य राजमार्गों पर एनएचएआई तथा पीडब्ल्यूडी के द्वारा एंबुलेंस, पेट्रोलिंग एवं क्रेन वाहनों को मार्गों पर तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

ग़ज़ल

खिलवाड़ ज़िन्दगी को बनाकर चले गये।
इक बार फिर सभी को रुलाकर चले गये।
भाषण चुनाव पूर्व सुना कर चले गये।
नेता जी सब्ज़ बाग दिखाकर चले गये।
तेवर वो अपने तल्ख़ दिखाकर चले गये।
हलचल सी दिल में एक मचा कर चले गये।
अब याद खुशनुमा ही फ़क़त साथ रह गयी,
अच्छा समय वो साथ बिताकर चले गये।
बीमार के लिए न दवा पास थी मगर,
गोली नशे की एक खिलाकर चले गये।
उनको न पास आने की फुर्सत रही ज़रा,
बस दूर से ही हाथ हिला कर चले गये।
क्यूँ कर न याद उनको ज़माना रखे हमीद,
सहरा में गुल जो खूब खिलाकर चले गये।

हमीद कानपुरी,

अब्दुल हमीद इदरीसी,

मीरपुर, कैण्ट, कानपुर -208004

प्रधानाचार्य को पढ़ाया गया शिक्षा का पाठ दी गई अहम जानकारी - डीआईओएस आरपी यादव

संवाददाता

सोनभद्र। जनपद में अवस्थित सभी राजकीय इंटर कॉलेज तथा राजकीय हाई स्कूल के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापकों का पांच दिवसीय ÷नेतृत्व एवं क्षमता संवर्धन ÷ संबंधी प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में आज शनिवार को कुल 46 प्रधानाचार्य ने नेतृत्व कौशल और क्षमता संवर्धन के संबंध में रिसोर्स और मानव संसाधन विकास विषयक सत्रों में सक्रियता से प्रतिभाग किया । सत्र में स्वयं के विकास के साथ साथ कौशलो के अर्जन द्वारा व्यक्तित्व संवर्धन शिक्षको ,छात्रों और कॉलेज के परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लक्ष्यों को प्राप्त करने संबंधी गतिविधियों को आयोजित किया गया । डिजिटल प्लेटफार्मो के प्रयोग द्वारा कॉलेज के निष्पादन में वृद्धि पर विशेष जोर दिया गया ।इस प्रशिक्षण दिवस का समापन जिला विद्यालय निरीक्षक ,सोनभद्र ,राजेंद्र प्रसाद यादव द्वारा प्रधानाचार्यो को वाणी ,भाव और कार्यो में सरलता तथा धनात्मक अभिवृत्ति के साथ कार्य करने के लाभ को उल्लिखित करते हुए किया गया। विभिन्न सत्रों का संचालन देवेंद्र कुमार सिंह , प्रधानाचार्य और आनंद कुमार त्रिपाठी प्रधानाचार्य द्वारा किया गया ।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र के चौथी बार अध्यक्ष मंत्री चुने गए

संवाददाता

सोनभद्र। शनिवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सोनभद्र इकाई की शैक्षिक जनपदीय शैक्षिक संगोष्ठी एवं जनपदीय इकाई का चुनाव आदर्श इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षक विधायक एवं वर्तमान प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ डॉक्टर प्रमोद कुमार मिश्रा एवं चुनाव अधिकारी के रूप में वाराणसी में माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री सरफुद्दीन उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष के पद पर सुनील कुमार राव राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज सोनभद्र, जिला मंत्री के पद पर संतोष कुमार मौर्य प्रधानाचार्य आदर्श इंटर कॉलेज सोनभद्र एवं कोषाध्यक्ष के पद पर राकेश चंद्र शुक्ला राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज का लगातार चौथी बार निर्विरोध चयन किया गया। इस सम्मेलन में जिले के कोने-कोने से आए हुए ढेर सारे शिक्षकों प्रधानाचार्यो एवं प्रबंधकों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ ।राकेश कुमार सिंह, आशुतोष सिंह, प्रदीप कुमार, अभिजात सोनकर ,मोहसिन ,संदीप कुमार सिंह, सुरेश चंद कनौजिया ,अमरेंद्र कुमार सिंह ,विनीत कुमार, जावेद अंसारी ,प्रेमचंद पटेल, अनिल कुमार पासवान, विनोद कुमार कनौजिया, संतोष तिवारी, राकेश चंद शुक्ला ,मनोज कुमार दुबे ,रामानंद त्रिपाठी ,रामचंद्र मौर्य ,अशोक कुमार ,शैलेश मौर्य ,दीप नारायण, अशोक कुमार ,धीरेंद्र त्यागी, अनिल कुमार विश्वकर्मा, चंदन कुमार प्रजापति, महेश चंद, उपेंद्र प्रताप सिंह, राजेश कुमार उपाध्याय, पंकज पांडे ,राजेश कुमार ,फूल सिंह, राजेश उपाध्याय, इंद्रेश गुप्ता, सुशील मिश्रा, यशवंत सिंह, काशी नरेश सिंह ,प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, महेंद्र यादव ,परमानंद देव ,दिनेश कुमार सिंह ,राम आधार सरोज ,अवधेश देव पांडे ,अरविंद कुमार ,बृजेश कुमार ,दिनेश कुमार, महेंद्र प्रताप, विजय भान, मुकुंद सिंह गौड़ , राम रक्षा, राम प्रकाश, विनिता मौर्या, पूनम मौर्या,विनीत कुमार ,चंद्रकांत त्रिपाठी ,हेमंत कुमार शर्मा ,शैलेश कुमार पाल, इसके अतिरिक्त महिला शिक्षिकाओं में डॉ मंजू सिंह, शिवमनी, रिंकी और कंचन मौर्य आदि लोग इस सम्मेलन में उपस्थित रहे।

अयोध्या में बाबरी मस्ज़िद के पैरोकार रहे इकबाल अंसारी को राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने को मिला निमंत्रण

अयोध्या। बाबरी पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को दिया गया रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण पत्र । राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर विशिष्ट जन के क्रम में शामिल होंगे बाबरी पक्षकार रहे इकबाल अंसारी । राम लला के पक्ष में फैसला आने के बाद इकबाल अंसारी ने देश के मुसलमानों से की थी अपील । सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सम्मान देने की किया था अपील । इकबाल के अपील के बाद देश भर में शांति से फैसले को किया था स्वीकार । प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन के दौरान प्रधानमंत्री पर किया था पुष्प वर्षा ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा गोष्ठी में पात्रों को मिले प्रमाण पत्र

देश व प्रदेश में विकास की बह रही धारा: रूबी प्रसाद

संवाददाता

सोनभद्र। शासन के आदेशानुसार ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को रामलीला ग्राउण्ड रावर्ट्सगंज, सोनभद्र में कराया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पकौड़ी लाल कोल, सांसद, लोकसभा रावर्ट्सगंज, रूबी प्रसाद, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं सुभाष चन्द्र यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोनभद्र/प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय सोनभद्र, राजेश उपाध्याय, परियोजना अधिकारी, डूडा सोनभद्र आदि उपस्थित रहे । उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 10.00 बजे मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके किया गया। उक्त अवसर पर रूबी प्रसाद, अध्यक्ष महोदया द्वारा उपस्थित लोगों को बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा भारत सरकार एवं प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के अर्न्तगत है, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है जहां केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का प्रचार-प्रसार है उसके साथ ही यह भी है कि जो पात्र व्यक्ति अभी तक किन्ही कारणों से योजनाओं के लाभ लेने से वंचित रह गये हैं उन्हें विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान योजनाओं के लाभ से जोड़ा जाये। उक्त कार्यक्रम में जन कल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित स्टाल यथा- प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, उज्जवला योजना, जिलापूर्ति कार्यालय राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य कैम्प प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना बैंको के माध्यम से बीमा योजना आदि का स्टाल लगाकर अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन प्रख्यात कवि श्री जगदीश प्रसाद पंथी जी के द्वारा किया गया कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रभारियों के अतिरिक्त नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभी सदस्यगण, सत्यम पाण्डेय, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक स्वच्छ भारत मिशन सोनभद्र, कौशल शर्मा, नगर अध्यक्ष, उद्योग व्यापर मंडल,, कृष्ण मुरारी गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष न0पा0प0, पुष्पा सिंह, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा भा0ज0पा0, मनोज सोनकर, रतनलाल गर्ग , संजय जायसवाल , पूर्व नगर अध्यक्ष भा0ज0पा0नगर पालिका के कर्मचारीगण संत कुमार सोनी, सुजीत कुमार, आकाश रावत, राम बिलास गुप्ता, खुशबू मिश्रा, पारा गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता, सैयद तौसीफ अहमद, नीरज कश्यप, प्रिंस सोनकर, सूरज मिश्रा, रजनीश राय, ओम प्रकाश, रंजीत प्रताप सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोयडा में रक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित किए जाएंगे सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव

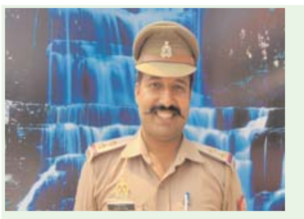

संवाददाता

अयोध्या। जनपद अयोध्या के परिक्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त उत्तर प्रदेश पुलिस के सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव को गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोयडा में दिनाँक 10 जनवरी 2024 को आयोजित कार्यक्रम में रक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है । यह कार्यक्रम सिने आर्टिस्ट एंड वर्कर्स वेलफेयर फेडरेशन नई दिल्ली द्वारा गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोयडा में आयोजित किया जा रहा है,जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में नियुक्त सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को रक्षक सम्मान 2024 प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस में उप-निरीक्षक पद पर आईजी रेंज आफिस अयोध्या में नियुक्त रणजीत यादव द्वारा अपने विभागीय दायित्वों को वरीयता देते हुए समय निकालकर अयोध्या के गरीब असहाय और भिक्षावृति से जुड़े बच्चों को मलिन बस्ती जयसिंहपुर वार्ड में खुले आसमान के नीचे निःशुल्क रूप से अपना स्कूल मुहिम के तहत शिक्षा प्रदान की जा रही है। बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और उनके समग्र विकास के अनुरूप समावेशी ज्ञान उपलब्ध करा रहे हैं। रणजीत यादव को अयोध्यावासी प्यार से खाकी वाले गुरु जी के नाम से बुलाते हैं। समिति द्वारा रणजीत को ईमेल भेजकर आमन्त्रित किया जा चुका है।

सबका साथ सबका विकास करती है भाजपा बैजनाथ रावत

संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। शुक्रवार को सिद्धौर ब्लाक क्षेत्र ग्राम पंचायत मिर्जा पुर में मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। शुक्रवार को सिद्धौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत मिर्जापुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ रथ के पहुंचते ही ग्राम प्रधान राकेश कुमार वर्मा, सहायक विकास अधिकारी उमेश चंद्र पटेल,ग्राम विकास अधिकारी वरुण पाल चंद्रशेखर सहित अन्य समाजसेवियों ने स्वागत किया तत्पश्चात पूर्व सांसद बैजनाथ रावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान राकेश कुमार वर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम के शुभारंभ में श्री रावत ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन मैं अपने मुखर बिंदु से राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का बखान करते हुए सबका साथ सबका विकास करने की बात कही विद्यालय के नन्हे मुन्ने छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया वहां मौजूद लोगों का मनमोह लिया विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ में एलसीडी के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। बाल विकास पुष्टाहार, कृषि विभाग व स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। मोदी सरकार गारंटी के तौर पर उभरी है। इस मौके पर मंडल मंत्री रमाकांत,बूथ अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा,सीता शरण वर्मा,मौलाना अलीम,प्रधान प्रतिनिधि चंद्रशेखर, नन्हेंलाल,मनोज कुमार,जितेंद्र कुमार,मदन मोहन सहित समस्त ग्रामीणव परिषदीय एवं गैर परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक अध्यापिकाएं सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

नगर पंचायत चुर्क घुरमा सभासद द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया गया पोषाहार वितरण - हिमांशु खत्री

संवाददाता

चुर्क सोनभद्र। नगर पंचायत चुर्क घुर्मा वार्ड नंबर 4 के सभासद हिमांशु खत्री उर्फ़ अंशु व आंगनबाड़ी की कार्यकत्री चमेली देवी के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों के बीच पोषाहार का वितरण किया गया।इस दौरान आंगनबाड़ी की कार्यकत्री ने सरकार द्वारा तय निर्धारित मात्रा में पोषाहार का वितरण की जिसमें की आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती धात्री कुपोषित एवं अकुपोषित लाभार्थियों के बीच पोषाहार का वितरण किया गया। प्रत्येक लाभार्थी को निर्धारित पोषाहार का वितरण किया गया इस दौरान सेविकाओं द्वारा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर खाद्य सुरक्षा से संबंधित साफ सफाई का विशेष ध्यान देकर वितरण किया गया। इस दौरान सभासद ने बताया कि बच्चों व गर्भवती धात्री महिलाओं को उचित पोषण मिलता रहे जिसके लिए प्रत्येक माह उचित पोषण आहार हेतु पोषाहार का वितरण किया जाता है ताकी समाज में कोई लाभुक कुपोषित नहीं हो और प्रत्येक दिन प्रतिदिन केंद्र पर जो बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं उन्हें अच्छे से पढ़ाया जाए और जो बच्चे वंचित रह जा रहे हैं उन्हें भी केंद्र से जोड़ा जाए जिससे उन्हें भी लाभ दिया जा सके वहीं वार्ड नंबर एक में भी आंगनबाड़ी केंद्र पर सभासद सूरत चंद्रवंशी व आंगनवाड़ी की कार्यकत्री मनोरमा देवी द्वारा लाभार्थियों के पोषाहार का वितरण किया गया।

पाकिस्तानी लोगों से परेशान टिकटॉक स्टार

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टिकटॉक स्टार जन्नत मिर्जा पाकिस्तान से जापान शिफ्ट हो चुकी हैं। 22 साल की जन्नत पहली ऐसी पाकिस्तानी यूजर हैं जिसके टिकटॉक पर 10 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं, ऐसे में फैंस उनके फैसले से परेशान हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन से भी अधिक फॉलोअर्स हैं और उनकी तस्वीरें अक्सर फैंस के बीच वायरल होती हैं। जन्नत ने हाल ही में शेयर किया था कि जब पाकिस्तान में टिकटॉक पर बैन लगा था तब वे जापान में थीं। जन्नत ने अब साफ किया है कि उन्होंने फैसला कर लिया है कि वे जापान में ही रहेंगीं। जन्नत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की थी जहां कई फैंस ने उनसे पूछा कि वे वापस पाकिस्तान कब आ रही हैं. मिर्जा ने इस सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वे जापान शिफ्ट कर चुकी हैं। जन्नत ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा पाकिस्तानी लोगों की खराब मानसिकता के चलते किया है। जन्नत से एक फैन ने पूछा था कि आप क्यों पाकिस्तान छोड़ रहे हो? इस पर जन्नत ने कहा था- क्योंकि पाकिस्तान बहुत प्यारा और अच्छा है लेकिन पाकिस्तान के लोगों की मानसिकता अच्छी नहीं। इससे पहले जन्नत मिर्जा ने पाकिस्तान में टिकटॉक के बैन को सपोर्ट किया था। उन्होंने कहा था कि मैं खुद पाकिस्तान में टिकटॉक के प्रतिबंध को चाहती थी लेकिन इसे पर्मानेंट बेसिस पर नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा था- मुझे पाकिस्तान में टिकटॉक बैन की खबर मिली है फिलहाल मैं जापान में हूं। जन्नत ने ये भी कहा कि कई लोगों की रोजी-रोटी भी इस एप्लिकेशन से चलती है और इस एप के चलते कई नए टैलेंटेड लोगों के बारे में पता चलता है। हालांकि इस एप पर कुछ वीडियोज की क्वालिटी घटिया भी होती है। मिर्जा ने कहा था कि फिलहाल टिकटॉक पर प्रतिबंध आवश्यक है लेकिन टिकटॉक पर कंटेंट को लेकर एक मानक संचालन प्रक्रिया का गठन किया जाना चाहिए और इस एप पर आने वाली वीडियोज की निगरानी की जानी चाहिए। मिर्जा ने कहा कि इस एप्लिकेशन को लेकर कुछ जरूरी कदम उठाने के बाद टिकटॉक बैन को हटाया जा सकता है. गौरतलब है कि पाकिस्तान से पहले भारत में भी टिकटॉक को बैन किया जा चुका है।

ब्राइडल लुक में छाईं रश्मि देसाई

टीवी इंडस्ट्री की सबसे क्यूट एक्ट्रेस में से एक रश्मि देसाई अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। चाहें वेस्टर्न लुक हो या फिर ट्रेडेशनल रश्मि देसाई की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में ब्राइडल लुक में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिसे उनके फैन्स बहुत पसंद कर रहे हैं। अपनी कॉमेडी से सभी को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर देने वाली एक्ट्रेस भारती सिंह इन दिनों इंडियाज बेस्ट डांसर शो में होस्ट की भूमिका में नजर आ रही हैं। वे शो में अपने हसबेंड हर्ष लिंबाचिया के साथ नजर आती है। हाल ही में एपिसोड में भारती ने अपने प्रेग्नेंसी प्लान्स के बारे में बताया। भारती सिंह साल 2021 में मां बनने की सोच रही हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान फिल्म स्टूडेंट होने के साथ ही साथ एक लोकप्रिय स्टार किड भी हैं और इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी तस्वीरों के चलते ट्रेंड में रहती हैं। वे फिलहाल यूएई में आईपीएल 2020 के लिए अपने परिवार के साथ मौजूद हैं। सुहाना ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी एक तस्वीर शेयर की और साथ ही उन्होंने अपने पिता के साथ 12 साल पुरानी तस्वीर शेयर की है जिसमें वे अपने पिता शाहरुख के साथ नजर आ रही हैं। आमिर खान के बेटे जुनैद अपने फिल्म डेब्यू की कोशिश कर रहे हैं। कई स्टार किड्स की तरह आमिर उन्हें लॉन्च नहीं कर रहे हैं और वे आम एक्टर्स की तरह ही ऑडिशन्स दे रहे हैं और कास्टिंग डायरेक्टर्स से मिल रहे हैं। ऐसी भी रिपोर्ट्स थीं कि जुनैद एक मलयालम हिट फिल्म के रीमेक से अपने करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। हालांकि अब सामने आया है कि जुनैद ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन तो दिया था लेकिन उन्हें ये रोल नहीं मिल पाया है।

मुरलीधरण बायोपिक से आउट विजय

विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेना का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरण इनदिनों अपनी बायोपिक को लेकर सुर्खियों में हैं। एम एस श्रिपती के निर्देशन में बन रही इस बायोपिक को लेकर साउथ में भारी विरोध देखने को मिल रहा है। इसकी वजह है मुथैया मुरलीधरण का उस श्रीलंका सिविल वॉर के पक्ष में बोलना जिसमें हजारों तमिल नागरिकों की जान चली गई थी। इस वजह से इस बायोपिक का और बायोपिक में मुरलीधरण का रोल प्ले करने वाले एक्टर विजय सेतुपकी की जमकर विरोध किया जा रहा है।

विरोध को देखते हुए अब विजय ने फिल्म से अपना नाम वापस ले लिया है.

हिमाचल की पहाड़ियों में बसती है सभ्यता और संस्कृति

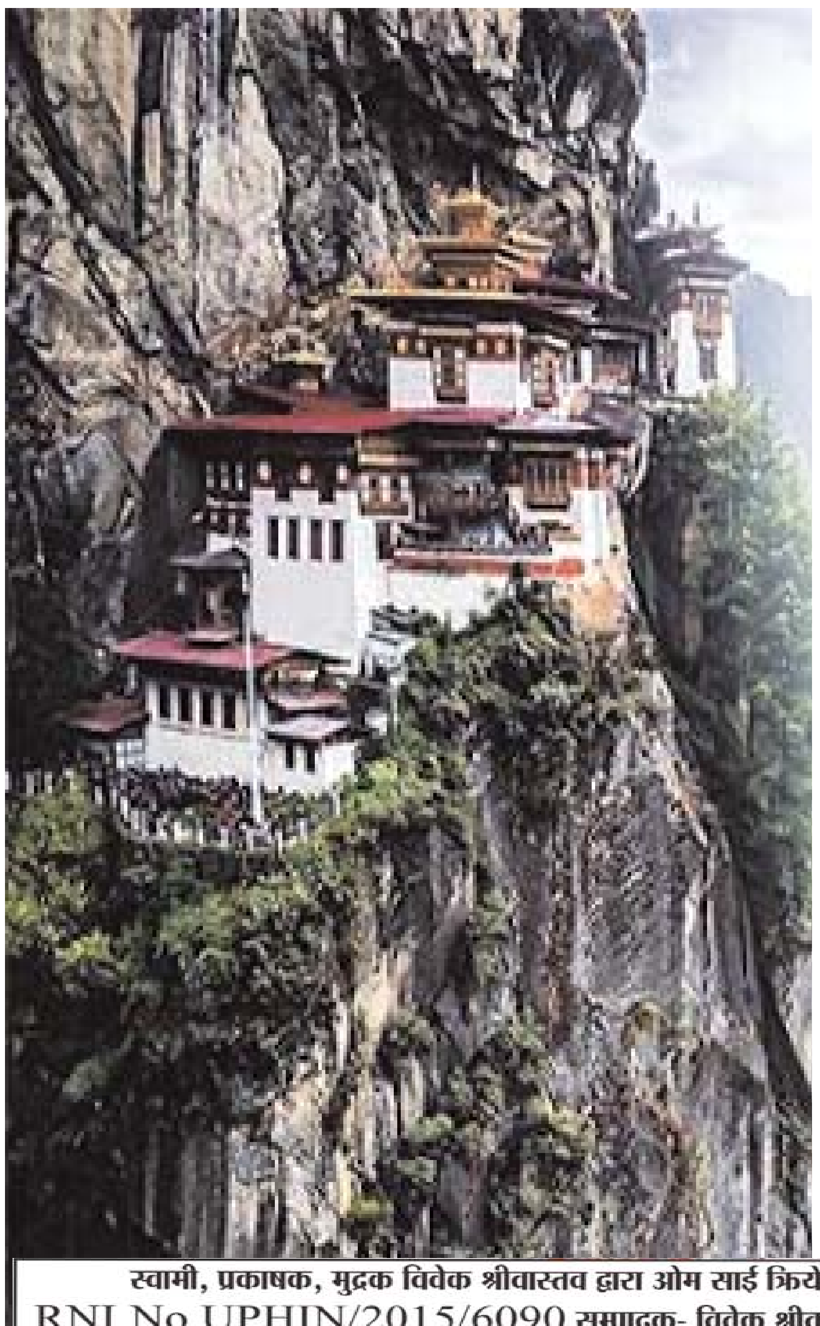

नई दिल्ली। हिमचल प्रदेश अपनी खूबसूरत वादियों और घाटियों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। देश-विदेश से लोग वादियों का दीदार करने आते हैं। हिमचाल की पहाड़ियों में सभ्यता और संस्कृति बसती है। इस प्रदेश में कई ऐसी जगह हैं जो रहस्यमयी हैं। इनमें एक कमरूनाग झील है। ऐसा कहा जाता है कि इस झील में खजाना छिपा है। इसके बारे में कई तथ्य हैं। जानकारों की मानें तो कमरूनाग झील में अरबों रुपये का खजाना है। हालांकि, अब तक इस झील से पैसे और जेवर नहीं निकाले गए हैं। इस झील के समीप एक मंदिर भी है, जिसे कमरूनाग मंदिर कहा जाता है। हिमचाल प्रदेश के मंडी जिले से 51 किलोमीटर दूर करसोग घाटी में स्थित है। इस झील तक पहुंचने के लिए पहाड़ियों के बीच रास्ता है। ऐसा माना जाता है कि कमरूनाग झील के दृश्यों को देखकर सभी थकान दूर हो जाती है। इस स्थान पर पत्थर से निर्मित कमरूनाग बाबा की प्रतिमा है। हर साल जून में कमरूनाग मंदिर में मेला का आयोजन किया जाता है। इस बारे में स्थानीय लोगों का कहना है कि बाबा साल भर में केवल एक बार दर्शन देते हैं। जून महीने में बाबा प्रकट होते हैं। इसके लिए जून में मेले का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर काफी संख्या में लोग बाबा के दर्शन हेतु होते हैं। इस दौरान लोग मनचाहा वर प्राप्ति के लिए झील में सोने चांदी और रुपये दान करते हैं। मान्यता है कि बाबा कमरूनाग को सोना-चांदी चढ़ाने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। इसके लिए लोग रुपये और जेवर झील में डालते हैं। कुछ लोग तो पहने जेवर भी झील में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। लोगों की बाबा कमरूनाग में अटूट श्रद्धा है। सदियों से यह परंपरा चलती आ रही है। इसके चलते जानकारों का कहना है कि झील में अरबों का खजाना है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलके स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित। RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।